# अली यावर जंग
# राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)

# ALI YAVAR JUNG NATIONAL INSTITUTE
# OF SPEECH & HEARING DISABILITIES (DIVYANGJAN)

{An Autonomous Organisation under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India, New Delhi}

## अ या जं रा वा श्र दि सं एक दृष्टि में
## AYJNISHD (D) AT A GLANCE

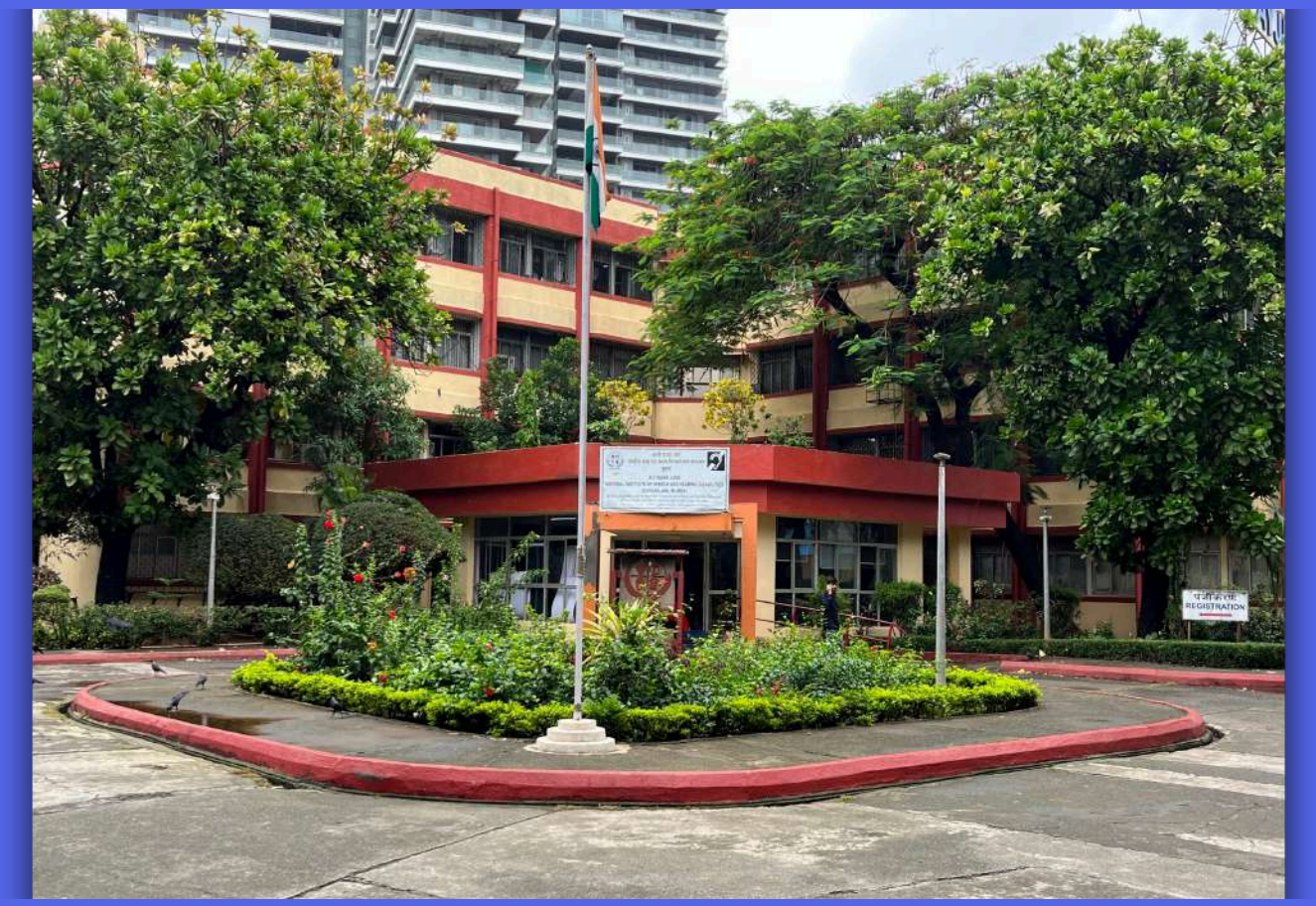


के. सी. मार्ग, बांद्रा रिक्लेमेशन, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई - 400 050
दूरभाष : 022-69102106/69102153 ईमेल : ayjnihh-mum@ayjnihh.nic.in
वेबसाइट : https://ayjnishd.nic.in

K. C. Marg, Bandra Reclamation, Bandra West, Mumbai - 400 050
Telephone : 022-69102106/69102153 E-mail : ayjnihh-mum@ayjnihh.nic.in
Website : https://ayjnishd.nic.in

# विषय सूची

# C O N T E N T S


| | |
|---|---|
| **1. संस्थान के बारे में संक्षिप्त जानकारी हिंदी में** | **01-19** |
| **1. Brief about the Institute in Hindi** | **01-19** |
| **2. संस्थान की गतिविधियों का कार्यकारी सारांश हिंदी में** | **20-27** |
| **2. Executive Summary of the Institute Activities in Hindi** | **20-27** |
| **3. पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी में** | **28-49** |
| **3. Reply of the queries asked in Hindi** | **28-49** |
| **4. संस्थान के बारे में संक्षिप्त जानकारी अंग्रेजी में** | **50-65** |
| **4. Brief about the Institute in English** | **50-65** |
| **5. संस्थान की वर्ष 2024-25 गतिविधियों का कार्यकारी सारांश अंग्रेजी में** | **66-69** |
| **5. Executive Summary of the Institute Activities in English for the year 2024-25** | **66-69** |
| **6. पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में** | **70-80** |
| **6. Reply of the queries asked in English** | **70-80** |

**अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई**

**(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,**

**सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,**

**भारत सरकार का स्वायत्त निकाय)**

**किशन चंद मार्ग, बांद्रा रिक्लेमेशन,**

**बांद्रा (पश्चिम), मुंबई 400 050**

## I. संस्थान के बारे में

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान (अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान), मुंबई की स्थापना 9 अगस्त 1983 को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के तहत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी। मुंबई के बांद्रा (पश्चिम) में स्थित इस संस्थान ने कोलकाता (1984), नोएडा (1986), सिकंदराबाद (1986) और जनला, ओडिशा (1986) में अपने क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) स्थापित किए हैं। वर्तमान में, अहमदाबाद, नागपुर और छतरपुर में समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास और दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी) क्रमशः 2011, 2020 और 2023 से अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान, मुंबई के प्रशासनिक नियंत्रण में काम कर रहे हैं। संस्थान ने गोवा में एक एक्सटेंशन काउंटर भी संचालित किया, जो अब सीआरसी बन गया है। ये केंद्र सभी आयु समूहों के विभिन्न दिव्यांजनों की स्थानीय और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित हैं।

## II. उद्देश्य एवं लक्ष्य

- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा एवं पुनर्वास से जुड़े सभी पहलुओं पर अनुदानित अनुसंधान, प्रायोजन, समन्वय एवं इनके लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना।

- सहायक साधन-सामग्री के प्रभावी मूल्यांकन अथवा उपयुक्त शल्य या चिकित्सा विधि अथवा नई साधन-सामग्री के विकास हेतु जैव-चिकित्सा अभियांत्रिकी में शोध कार्य का आयोजन, प्रायोजन, समन्वय एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना।

- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के उन्नयन के लिए प्रशिक्षणार्थी, शिक्षक, रोज़गार अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, व्यावसायिक सलाहकार एवं ऐसे अन्य कर्मचारियों के लिए जिन्हें संस्थान आवश्यक समझता है, उनके प्रशिक्षण का आयोजन एवं प्रायोजन करना।

- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, पुनर्वास एवं चिकित्सा के किसी भी पहलू से संबंधित किसी या सभी तरह की साधन-सामग्री के प्रारूप का विकास एवं उनका उन्नयन, वितरण एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना।

## III. प्रमुख गतिविधियां

(i)मानव संसाधन विकास (ii)अनुसंधान (iii)नैदानिक और चिकित्सीय सेवाएं (iv)आउटरीच एवं विस्तार सेवाएं (v)सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास सेवाएं (vi)सामग्री विकास (vii)सूचनाओं का संकलन, प्रलेखन एवं प्रसारण

### (i) मानव संसाधन विकास

दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन तैयार करने हेतु अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान, मुंबई अपने कोलकाता, सिकंदराबाद, नोएडा और जनला-ओडिशा स्थित क्षेत्रीय केंद्रों में डॉक्टरेट, स्नातकोत्तर, स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र स्तर के पाठ्यक्रम संचालित करता है। दिव्यांगजनों के पुनर्वास के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास कार्यक्रम को भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है और संबंधित विश्वविद्यालयों से संबद्ध हैं।

## (क) दीर्घावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

### मुख्यालय- मुंबई में संचालित पाठ्यक्रम

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | पीएचडी (वाक् एवं श्रवण) | 3 वर्ष | 06 |
| 02 | पीएचडी (विशेष शिक्षा) | 3 वर्ष | 20 |
| 03 | विज्ञान स्नातकोत्तर (श्रवणविज्ञान) | 2 वर्ष | 12 |
| 04 | शिक्षा में स्नातकोत्तर- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 23 |
| 05 | श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक | 4 वर्ष | 43 |
| 06 | शिक्षा स्नातक- विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 30 |
| 07 | ऑडिटरी वर्बल थेरपी स्नातकोत्तर डिप्लोमा | 1 वर्ष | 20 |
| 08 | सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा | 2 वर्ष | 30 |
| 09 | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण डिप्लोमा | 2 वर्ष | 30 |
| 10 | कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रमाणपत्र | 1 वर्ष | 20 |

### क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में संचालित पाठ्यक्रम

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | विज्ञान स्नातकोत्तर (वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान) | 2 वर्ष | 15 |
| 02 | श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक | 4 वर्ष | 31 |
| 03 | शिक्षा स्नातक– विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 23 |
| 04 | शिक्षा स्नातक– विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता-दूरस्थ मोड) | 2.5 वर्ष | 40 |
| 05 | विशेष शिक्षा डिप्लोमा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 35 |
| 06 | भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा | 2 वर्ष | 15 |
| 07 | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण डिप्लोमा | 2 वर्ष | 20 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 08 | कंप्यूटर एप्लिकेशन डिप्लोमा | 1 वर्ष | 20 |
| 09 | श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान में पीएचडी | 3 वर्ष | 06 |

**क्षेत्रीय केंद्र, सिकंदराबाद में संचालित पाठ्यक्रम**

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | विज्ञान स्नातकोत्तर (श्रवणविज्ञान) | 2 वर्ष | 12 |
| 02 | श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक | 4 वर्ष | 31 |
| 03 | विशेष शिक्षा स्नातक (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 30 |
| 04 | विशेष शिक्षा डिप्लोमा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 35 |
| 05 | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण डिप्लोमा | 2 वर्ष | 20 |

**क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा में संचालित पाठ्यक्रम**

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक | 4 वर्ष | 25 |
| 02 | विशेष शिक्षा डिप्लोमा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 38 |
| 03 | श्रवण दिव्यांगजनों के लिए कंप्यूटर एप्लिकेशन प्रमाणपत्र | 1 वर्ष | 20 |

**क्षेत्रीय केंद्र, जनला, ओडिशा में संचालित पाठ्यक्रम**

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | विशेष शिक्षा डिप्लोमा (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 36 |
| 02 | श्रवण, वाक् एवं भाषा डिप्लोमा | 1 वर्ष | 30 |
| 03 | विशेष शिक्षा स्नातक (श्रवण बाधिता) | 2 वर्ष | 30 |
| 04 | भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया डिप्लोमा | 2 वर्ष | 30 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 05 | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण डिप्लोमा | 2 वर्ष | 30 |

**समेकित क्षेत्रीय केंद्र, अहमदाबाद में संचालित पाठ्यक्रम**

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | विशेष शिक्षा डिप्लोमा (बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगताएं) | 2 वर्ष | 31 |
| 02 | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण डिप्लोमा | 2 वर्ष | 30 |
| 03 | विशेष शिक्षा स्नातक (बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगताएं) | 2 वर्ष | 31 |
| 04 | श्रवणविज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान स्नातक | 4 वर्ष | 20 |

**समेकित क्षेत्रीय केंद्र, गोवा में संचालित पाठ्यक्रम**

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम का नाम | अवधि | संस्तुत क्षमता |
|---|---|---|---|
| 01 | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण डिप्लोमा | 2 वर्ष | 20 |

**(ख) अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम**

दीर्घावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के अलावा संस्थान द्वारा दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत्त पेशेवरों, शैक्षिक कार्मिकों, श्रवण दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों, मीडिया पेशेवरों, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों आदि के लिए भी अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रदान किए गए दीर्घावधि और अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्न प्रकार है:

| क्र. सं. | वर्ष | दीर्घावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम | | अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | पाठ्यक्रमों की संख्या | दाखिल विद्यार्थियों की संख्या | कार्यक्रमों की संख्या | लाभार्थियों की संख्या |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2020-2021 | 26 | 411 | 173 | 115188 |
| 2 | 2021-2022 | 25 | 379 | 147 | 13494 |
| 3 | 2022-2023 | 25 | 386 | 101 | 10938 |
| 4 | 2023-2024 | 25 | 427 | 110 | 7283 |
| 5 | 2024-2025 | 30 | 480 | 141 | 14711 |

**(ग) विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान, मुंबई अनु.जा./अनु.ज.जा. और दिव्यांग छात्रों को उनकी शिक्षा और सशक्तिकरण में सहायता करने के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 2024-2025 शैक्षणिक वर्ष में, संस्थान ने विभिन्न छात्रवृत्तियों के माध्यम से पात्र छात्रों को सहायता प्रदान की:

**क.** अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान छात्रवृत्ति: 20 लाभार्थी

**ख.** ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी विद्यार्थियों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा की पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना: 7 लाभार्थी

**ग.** अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा): 6 लाभार्थी

**घ.** महा-डीबीटी छात्रवृत्ति: 3 लाभार्थी

**ङ.** दिव्यांग छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति: 1 लाभार्थी

**च.** विद्यादान सहायक मंडल छात्रवृत्ति: 2 लाभार्थी

**(ii) अनुसंधान परियोजनाएं**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.संस्थान दिव्यांगजन के लिए वाक् और श्रवण तथा शिक्षा के क्षेत्रों में प्रगति हेतु अनुसंधान में गहन रूप से भाग लिया है। वर्षों से, संस्थान ने अनेक अनुसंधान

परियोजनाएं संचालित की हैं, जिनके परिणामस्वरूप विभिन्न सहायक उपकरणों का विकास हुआ है, जैसे कि क्रॉस हियरिंग एड्स और शोर स्तर संकेतक। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने सीडीईआईसी पाठ्यचर्या रूपरेखा (2022) और एविटी थेरेपी पाठ्यक्रम जैसे पाठ्यक्रम भी विकसित किए हैं, साथ ही सुलभ ऑडियो-विजुअल सामग्री का निर्माण किया है। संस्थान ने जीएइएल-पी, एलपीटी, पीएटी, टीएसआर, और टीएएससी जैसे निदान उपकरण भी विकसित किए हैं, जो इस क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, चल रही परियोजनाओं में हिंदी और तेलुगु में वयस्कों के लिए अप्राक्सिया बैटरी का अनुकूलन (डॉ गौरी शंकर पाटिल के नेतृत्व में), और एडिप योजना के तहत कोक्लिअर इम्प्लांट वाले बच्चों में वाक्, भाषा और श्रवण कौशल के प्रदर्शन का मूल्यांकन (डॉ पाटिल और श्री बी. श्रीनिवास राव) शामिल हैं। पूर्ण की गई परियोजनाओं में दाएं गोलार्ध विकारों के लिए बांग्ला में संचार भाषाई मूल्यांकन प्रोटोकॉल का विकास (डॉ सुमन कुमार) और आईसीएफ का उपयोग करके कटे होंठ और तालु वाले दिव्यांगजनों के लिए प्रभाव मूल्यांकन उपकरण (डॉ सुजॉय कुमार माकर) शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य नैदानिक उपकरण विकसित करना, हस्तक्षेपों का आकलन करना और वाक् और श्रवण दिव्यांजनों के लिए उपचार रणनीतियों को बढ़ाना है।

संस्थान ने एक नई पहल शुरुआत की है, **"शून्य बजट में अनुसंधान परियोजनाएं"**, जिसका उद्देश्य बिना किसी वित्तीय अनुदान के संस्थान के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके अनुसंधान को बढ़ावा देना है। 2024-25 के दौरान, संस्थान ने इस पहल के तहत 7 शोध परियोजनाओं को मंजूरी दी।

**(iii) नैदानिक एवं चिकित्सीय सेवाएं**

संस्थान वाक् और/या श्रवण दिव्यांगजनों को व्यापक नैदानिक, उपचारात्मक, शैक्षिक और व्यावसायिक सेवाएं प्रदान करता है। एक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान के रूप में, ग्रामीण और शहरी दोनों तरह के लाभार्थियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम संभव

तरीके से सेवाएं प्रदान की जाती हैं। ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यावसायिक परामर्शदाता, ईएनटी विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ और न्यूरोलॉजिस्ट की एक अंतःविषय टीम पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए एक टीम दृष्टिकोण का पालन करती है जैसे:

- **श्रवण, वाक् एवं भाषा दिव्यांगता को मूल्यांकन एवं निदान**
- **यूडीआईडी जारी करना**
- **श्रवण यंत्रों एवं कर्णसांचों का चयन और फिटिंग**
- **मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन**
- **शैक्षिक मूल्यांकन सेवाएं**
- **मनोचिकित्सा एवं व्यवहारिक थेरपी**
- **अभिभावक मार्गदर्शन एवं परामर्श**
- **प्रारंभिक हस्तक्षेप और स्कूल तत्परता कार्यक्रम**
- **क्रॉस दिव्यांगता प्रारंभिक पहचार और स्कूल तत्परता कार्यक्रम**
- **एनआईओएस के द्वारा सतत शिक्षा**
- **आऊटरीर एवं विस्तार सेवाएं**
- **अभिभावक सशक्तिकरण कार्यक्रम**
- **व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट**
- **वाक् और भाषा चिकित्सा**
- **कोक्लिअर इंप्लांट सेवाएं**
- **टोल फ्री दिव्यांगता सूचना लाइन**
- **वेस्टिबुलर मूल्यांकन और पुनर्वास**

**(क) प्रदत्त सेवाओं का विवरण निम्न प्रकार है:**

| सेवाएं | 2020-21 | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 | 2024-25 |
|---|---|---|---|---|---|

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नए केसेस | 20880 | 33752 | 32793 | 29285 | 31653 |
| अनुवर्ती केसेस | 33862 | 57141 | 84028 | 90353 | 91879 |
| सहायता सेवाएं | 171062 | 340616 | 374286 | 404763 | 463013 |
| **कुल** | **225804** | **431509** | **491107** | **524401** | **586545** |
| एडिप लाभार्थियों की संख्या | 6933 | 10364 | 8936 | 5109 | 5648 |
| वितरित श्रवण यंत्रों की संख्या | 11205 | 15694 | 14186 | 8355 | 8768 |
| किए गए कोक्लिअर इंप्लांट | 676 | 702 | 1145 | 1444 | 042 |

**(ख) सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन**

**1. क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली आइडेंटिफिकेशन कम इंटरवेंशन एंड प्रिपरेटरी स्कूल (CDEIC)**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान का सीडीईआईसी देश में विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं वाले बच्चों की प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप हेतु एक प्रमुख सेवा प्रदाय मॉडल में से एक है। वर्ष 2021 में स्थापित, मुंबई स्थित यह सुलभ और सुसज्जित सीडीईआईसी केंद्र इसे पुनर्वास का एक विशिष्ट मॉडल बनाता है। सीडीईआईसी, मुंबई दिव्यांग बच्चों को निदान, हस्तक्षेप और विद्यालय-पूर्व तैयारी सेवाएं प्रदान करता है, साथ ही अभिभावकों के सशक्तिकरण हेतु सहायता भी उपलब्ध कराता है। वर्ष 2024-25 के दौरान मुख्यालय, मुंबई में कुल 140 नए मामलों, 5056 अनुवर्ती मामलों और 143268 सहायक सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस केंद्र में कार्यरत समर्पित विशेषज्ञ गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहे हैं तथा विभिन्न हितधारकों के बीच सीडीईआईसी और इसके संभावित लाभों के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य में यह सुसज्जित केंद्र अपने प्रकार का पहला है, और आने वाले वर्षों में **सिपडा योजना** के अंतर्गत सहायता प्राप्त कर दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों तक पहुँचने के लिए प्रतिबद्ध है।

## 2. एडिप

इस योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांगजनों को टिकाऊ, उन्नत, वैज्ञानिक रूप से निर्मित, आधुनिक और मानक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने में सहायता करना है, ताकि उनकी दिव्यांगता के प्रभाव को कम कर उनके शारीरिक, सामाजिक और मानसिक पुनर्वास को बढ़ावा दिया जा सके तथा उनकी आर्थिक संभावनाओं को सशक्त बनाया जा सके। इस योजना के अंतर्गत संस्थान एवं इसके क्षेत्रीय केंद्र अपने केंद्रों पर तथा आउटरीच और विस्तार सेवा गतिविधियों के तहत शिविरों के माध्यम से श्रवण यंत्र वितरित करते हैं। लाभार्थियों एवं प्रदत्त सेवाओं का विवरण उपरोक्त तालिका में प्रस्तुत है।

## 3. एडिप-कोक्लिअर इम्प्लांट

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई को अद्यतन एडिप योजना दिशा-निर्देशों के अंतर्गत श्रवण बाधित बच्चों के लिए कोक्लिअर इम्प्लांट (CI) सर्जरी एवं पश्चात पुनर्वास कार्यान्वयन हेतु नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। कोक्लिअर इम्प्लांट एक शल्य प्रक्रिया है, जिसमें अनुभवी ईएनटी सर्जनों द्वारा खोपड़ी और कॉक्लिया में एक रिसीवर-स्टिम्युलेटर और सूक्ष्म इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित किए जाते हैं। सर्जरी और डिवाइस सक्रियण के बाद, बच्चों के लिए यह आवश्यक होता है कि वे प्रशिक्षित पेशेवरों जैसे स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक या ऑडिटरी-वर्बल थेरेपिस्ट से वाक् और भाषा चिकित्सा प्राप्त करें, ताकि वे सामान्य वाक् और भाषा विकसित कर सकें। यह उन्नत तकनीक इस भ्रांति को दूर करती है कि श्रवण दिव्यांगजन बोल नहीं सकते, और यह श्रवण ह्रास वाले बच्चों को प्रभावी रूप से संवाद करने में सक्षम बनाती है। वर्तमान में 152 अस्पताल सूचीबद्ध हैं और 982 पुनर्वास पेशेवर कोक्लिअर इम्प्लांट प्राप्त बच्चों को सहायता प्रदान करने हेतु संलग्न हैं। कोक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी से संबंधित विवरण उपरोक्त तालिका में प्रदान किया गया है।

## (iv) आउटरीच और विस्तार सेवाएं

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की आउटरीच और विस्तार सेवाओं का उद्देश्य श्रवण दिव्यांगजनों, विशेष रूप से ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पुनर्वास सहायता

प्रदान करना है। इन सेवाओं का केंद्र बिंदु प्रारंभिक पहचान, मूल्यांकन, हस्तक्षेप, जागरूकता निर्माण, और प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण पर है। प्रमुख गतिविधियों में विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कर जागरूकता एवं प्रशिक्षण प्रयासों को बढ़ाना; संगठनों को भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) दुभाषियों की सुविधा प्रदान करना; संस्थान के विशेषज्ञों और स्टाफ की विशेषज्ञता साझा करना; और समावेशी प्रथाओं और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और वेबिनार में सक्रिय भागीदारी शामिल करना है।

**(v) सामाजिक आर्थिक पुनर्वास सेवाएं**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास सेवाओं का उद्देश्य श्रवण दिव्यांगजनों को उनके व्यावसायिक कौशल, रोजगार योग्यता और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ाकर सशक्त बनाना है। इसमें कौशल विकास प्रशिक्षण, रोज़गार नियोजन सहायता, कैरियर परामर्श और समावेशी आजीविका अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी योजनाओं, नियोक्ताओं और वित्तीय संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित करना शामिल है। विभाग योग्य दिव्यांगजनों को रेलवे रियायतें, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की सुविधा प्रदान करता है। पीएम दक्ष के तहत विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लागू करना भी इस विभाग की एक प्रमुख गतिविधि है।

वर्ष 2024-25 में, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों को लागू किया। आरआरबी/एसएससी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना के पहले बैच में 17 दिव्यांग छात्रों (16 श्रवण बाधित और 1 निम्न दृष्टि दिव्यांग) को दाखिल किया गया और यह जून से दिसंबर 2024 तक अवधि के दौरान संचालित किया गया। पीएम दक्ष योजना के तहत डेटा एंट्री ऑपरेटर कोर्स फरवरी से अगस्त 2024 अवधि के दौरान संचालित गया, इसके बाद अगस्त में पीएम दक्ष रोजगार कौशल कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें श्रवण बाधित 10 बच्चों को नामांकित किया गया। ठाणे के कल्याण में 12 से 14 अगस्त तक आयोजित दिव्यांगजन रोजगार मेले में

वाक्, श्रवण और गतिशील दिव्यांगता वाले 118 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 47 को अमेज़न ने जॉब पर रखा। 18 नवंबर को नेशनल सेंटर फॉर फाइनेंशियल एजुकेशन और इंडिया साइनिंग हैंड्स के सहयोग से एक वित्तीय साक्षरता सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 50 श्रवण बाधित प्रतिभागियों को लाभ मिला। इसके अतिरिक्त, 22 फरवरी को मुंबई में एमएसयू बड़ौदा के साथ साझेदारी में श्रवण दिव्यांगजन आजीविका मेला 2025 आयोजित किया गया, जिसमें 200 नौकरी चाहने वाले श्रवण दिव्यांगजनों को नियोक्ताओं से जोड़ा गया, जिसके परिणामस्वरूप 61 प्लेसमेंट हुए, जिनमें से मुख्य रूप से अमेज़ॅन द्वारा किया गया।

**(vi) सामग्री विकास**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में सामग्री विकास का उद्देश्य सुलभ, समावेशी और संदर्भ-विशिष्ट संसाधन बनाना है जो श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, पुनर्वास और सशक्तिकरण का समर्थन करते हैं। इसमें शिक्षकों और अभिभावकों के लिए शिक्षण- सामग्री विकसित करना, दृश्य सामग्री के माध्यम से भारतीय सांकेतिक भाषा को बढ़ावा देना, नैदानिक और उपचारात्मक उपकरण बनाना और विविध उपयोगकर्ता समूहों में जागरूकता, संचार और क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल डिजिटल और प्रिंट सामग्री का उत्पादन करना शामिल है।

वर्ष 2024-25 में, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने श्रवण दिव्यांगजाओं के लिए शिक्षा और पुनर्वास का समर्थन करने के लिए सुलभ सामग्रियों की एक श्रृंखला विकसित की। इसमें संस्थान के यूट्यूब चैनल पर डिजिटलीकृत डी.एड. और बी.एड. सामग्री, माता-पिता और शिक्षकों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा में कार्यात्मक संचार प्रशिक्षण सामग्री और श्रवण-मौखिक चिकित्सा (AVT) पाठ्यक्रम के लिए अद्यतन संसाधन शामिल थे।

**(i) सूचना, दस्तावेज़ीकरण और सूचना का प्रसार**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में सूचना, प्रलेखन और प्रसार का उद्देश्य श्रवण बाधित श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, पुनर्वास और सशक्तिकरण से संबंधित ज्ञान को एकत्रित करना,

व्यवस्थित करना और साझा करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति संस्थान के कंप्यूटर केंद्र और पुस्तकालय के माध्यम से की जाती है, जो इसके प्रमुख संसाधन हैं।

**(क) कंप्यूटर केंद्र**: अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में कंप्यूटर केंद्र विभिन्न गतिविधियों के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करके, उपयुक्त तैयार सॉफ्टवेयर की सिफारिश करके और हार्डवेयर और इंटरनेट सेवाओं को सुनिश्चित करके संस्थान की डिजिटल जरूरतों का समर्थन करता है। यह कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है और डेटा प्रोसेसिंग में सहायता करता है। संस्थान नैदानिक सेवाओं, पुस्तकालय प्रबंधन (SOUL), वित्तीय प्रणालियों (टैली-ईआरपी, ईटीडीएस, ईप्रोक्योरमेंट), पेरोल और आरसीआई पाठ्यक्रमों के लिए परिणाम तैयार करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान सुलभ वेबसाइट बनाए रखता है - ayjnihh.nic.in, जो वाक् और श्रवण बाधित पर व्यापक जानकारी प्रदान करता है, और adipcochlearimplant.in, जो कोक्लिअर इम्प्लांट सेवाओं का समर्थन करता है। केंद्र संस्थान और उसके सीआरसी में ई-ऑफिस सिस्टम के कार्यान्वयन की सुविधा भी प्रदान करता है।

**(ख) पुस्तकालय:** अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में केंद्रीय रूप से वातानुकूलित पुस्तकालय में साठ विद्यार्थियों के बैठने की क्षमता हैं और इसमें 18,015 पठन सामग्री का संग्रह है, जिसमें 2,032 हिंदी पुस्तकें और 1,385 पत्रिकाओं के जिल्दबंद खंड शामिल हैं। संस्थान मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों के लिए 18 बहु-साइट ऑनलाइन ई-पत्रिकाओं के साथ-साथ 155 ओपन-एक्सेस पत्रिकाओं की सदस्यता ली है, जिससे भौतिक भंडारण स्थान की आवश्यकता कम हो जाती है और लागत कम हो जाती है। कर्मचारियों और छात्रों को इंटरनेट एक्सेस प्रदान किया जाता है, जिससे वे अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की डिजिटल लाइब्रेरी और लाइब्रेरी द्वारा पेश किए गए ई-संसाधनों (एन-लिस्ट) तक पहुँच सकते हैं।

## (IV) राष्ट्रीय दिव्यांगता सूचना हेल्पलाइन सेवा (एनडीआईएचएस)

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में दिव्यांगता सूचना लाइन (DIL) को 10 अंकों के टोल-फ्री नंबर वाले सर्वर-आधारित सिस्टम से अपग्रेड करके भारत की पहली क्लाउड-आधारित राष्ट्रीय दिव्यांगता सूचना हेल्पलाइन सेवा (एनडीआईएचएस) में परिवर्तित किया है, जिसमें 5 अंकों का नंबर '14456' है। यह उन्नत, 24/7 सेवा 21 प्रकार की दिव्यांगताओं पर व्यापक जानकारी प्रदान करती है और अब सरलीकृत हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से अधिक सुलभ है। एनडीआईएचएस कारणों, रोकथाम, निदान, उपचार, सहायता और उपकरण, शिक्षा, रोजगार, सेवा प्रदाताओं, सरकारी योजनाओं और रियायतों पर विश्वसनीय विवरण प्रदान करता है। पहुंच में सुधार और क्षेत्रीय जरूरतों को पूरा करने के लिए, एनडीआईएचएस के सर्वर पूरे भारत में रणनीतिक रूप से बनाएं गए हैं, जो राज्य-विशिष्ट जानकारी और स्थानीय भाषा में जानकारी प्रदान करते हैं। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध है, जिसमें कॉल करने वालों की सहायता के लिए कार्य घंटों के दौरान समर्पित कॉल अटेंडेंट भी उपलब्ध हैं। वर्ष 2024-25 में, एनडीआईएचएस को 90,236 कॉल प्राप्त हुए।

## (V) संस्थान को प्राप्त सीएसआर अनुदान

वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों के पुनर्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए अपनी पहल को आगे बढ़ाने में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को सीएसआर सहायता की महत्वपूर्ण भूमिका है। पिछले कुछ वर्षों में, संस्थान में सीडीईआईसी की स्थापना, कोक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी की सुविधा, एडिप योजना के तहत कोक्लिअर इम्प्लांट प्राप्तकर्ताओं के लिए पोस्ट-ऑपरेटिव पुनर्वास सेवाओं को बढ़ाने और पीजीडीएवीटी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए कोटक बैंक, एसबीआई फाउंडेशन, माझगांव शिप बिल्डर्स लिमिटेड आदि जैसी विभिन्न संस्थाओं से सीएसआर सहायता प्राप्त हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने 294 एडिप-सीआई लाभार्थियों का समर्थन करने के लिए कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड से ₹ 2,74,00,000/- का सीएसआर अनुदान प्राप्त किया और वर्ष 2024-25 इसका उपयोग एडिप-सीआई लाभार्थियों हेतु सीआई की मरम्मत, प्रतिस्थापन और नई एक्सेसरीज़ और वाक्

प्रोसेसरों की ख़रीद के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सीडीइआईसी को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (GIC Re) द्वारा ₹1,29,97,582/- का सीएसआर अनुदान दिया गया है, जो एक सेंसरी पार्क, वर्चुअल रियलिटी रूम और म्यूजिक थेरेपी रूम की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता देगा। इसके अलावा, संस्थान को हंस फाउंडेशन से सीआरएस (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत वित्तपोषित एक थेरेपी बस, 23 स्टाफ सदस्य, और तीन वर्षों का रखरखाव समर्थन सीआरसी - अहमदाबाद के लिए प्राप्त होगा।

इसके अलावा, संस्थान को सीएसआर द्वारा वित्तपोषित थेरेपी बस, 23 स्टाफ सदस्य और सीआरसी-अहमदाबाद के लिए हंस फाउंडेशन से तीन साल का रखरखाव समर्थन प्राप्त होगा।

## (VI) अनुसंधान परियोजना

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान दिव्यांगजनों के लिए वाक् एवं श्रवण तथा शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। चल रही परियोजनाओं में हिंदी और तेलुगु में वयस्कों के लिए अप्राक्सिया बैटरी का अनुकूलन (डॉ गौरी शंकर पाटिल के नेतृत्व में) और एडिप योजना के तहत कोक्लिअर इम्प्लांट वाले बच्चों में वाक्, भाषा और श्रवण कौशल का प्रदर्शन मूल्यांकन (डॉ पाटिल और श्री बी. श्रीनिवास राव) शामिल हैं। पूर्ण की गई परियोजनाओं में दाएं गोलार्ध विकारों के लिए बांग्ला में संचार भाषाई मूल्यांकन प्रोटोकॉल का विकास (डॉ सुमन कुमार) और आईसीएफ का उपयोग करके कटे होंठ और तालु वाले रोगियों के लिए प्रभाव मूल्यांकन उपकरण (डॉ सुजॉय कुमार मकर) शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य नैदानिक उपकरण विकसित करना, हस्तक्षेपों का आकलन करना और वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों के लिए उपचार रणनीतियों को बढ़ाना है।

संस्थान ने एक नई पहल शुरू की है, “शून्य बजट में अनुसंधान परियोजनाएं”, जिसका उद्देश्य बिना किसी वित्तीय आवंटन के संस्थान के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके

अनुसंधान को बढ़ावा देना है। वर्ष 2024-25 के दौरान, संस्थान ने इस पहल के तहत 7 शोध परियोजनाओं को मंजूरी दी।

**(VII) कार्मिकों की संख्या**

संस्थान की स्थापना के समय 214 पदों की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। व्यय विभाग की स्टाफ निरीक्षण इकाई ने वर्ष 2016 में निरीक्षण किया और 36 पदों को समाप्त करने तथा 25 नए पदों के सृजन की सिफारिश की थी। समय के साथ, संस्थान ने समन्वयात्मक बचत के लिए 7 पदों को सरेंडर कर दिया है। नए पदों का सृजन अभी शेष है।

वर्तमान में, संस्थान एवं इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 173 स्वीकृत पद (समूह-ए: 33, समूह-बी: 58, समूह-सी: 82) हैं, जिनमें से 98 पद (समूह-ए: 24, समूह-बी: 37, समूह-सी: 37) नियमित रूप से कार्यरत हैं तथा 33 पद (समूह-ए: 00, समूह-बी: 01, समूह-सी: 32) आउटसोर्स आधार पर कार्यरत हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान 11 नियमित पदों पर नियुक्ति की गई है।

**(VIII) प्राप्त अनुदान राशि**

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से आवर्ती और गैर-आवर्ती व्यय दोनों के लिए वित्तीय सहायता प्राप हो रही है। पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान प्राप्त और उपयोग की गई अनुदान सहायता का विवरण निम्न प्रकार है:-

(₹ लाखों में)

| वित्तीय वर्ष | सामान्य प्राप्त अनुदान | व्यय | पूंजीगत परिसंपत्तियां हेतु प्राप्त जीआईए | व्यय |
|---|---|---|---|---|
| 2019-20 | 3471.46 | 3736.45 | 100.00 | 23.20 |
| 2020-21 | 3180.98 | 3411.56 | 136.89 | 78.03 |
| 2021-22 | 3521.00 | 3719.22 | 34.00 | 142.86 |
| 2022-23 | 3586.49 | 3841.72 | 38.96 | 39.78 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 2023-24 | 4059.93 | 4064.40 | 385.94 | 378.47 |
| 2024-25 (अनुमानित) | 3859.00 | 3735.39 | 1044.05 | 771.89 |

## (IX) अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के पुरस्कार और मान्यताएं

दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को पिछले कुछ वर्षों में खास तौर पर वाक् और श्रवण के क्षेत्र में कई पुरस्कार और मान्यताएं प्राप्त हुई हैं। संस्थान को सेवा वितरण, शोध, कौशल विकास और समावेशी शिक्षा पहलों में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता मिली है। ये सम्मान दिव्यांगजाओं को सशक्त बनाने और सभी क्षेत्रों में पहुँच और समावेश को बढ़ावा देने के लिए अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रमुख मान्यताएं निम्न प्रकार हैं:

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सितम्बर 1988 में संस्थान को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घोषित किया गया।
- दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार वर्ष 1995-96 में प्राप्त हुआ।
- संशोधित क्रॉस श्रवण यंत्र को वर्ष 2002 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2002 में ठाणे जिले के बदलापुर नगर पंचायत के माध्यम से शुरू की गई सामुदायिक पुनर्वास योजना (Barrier Free Township) जिसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2003 में भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा संस्थान को जनशक्ति विकास और प्रशिक्षण में उत्कृष्ट दर्जा दिया गया।
- वर्ष 2006-07 में हिंदी भाषा के प्रयोग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार (क्षेत्र 'ख') से सम्मानित।
- सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा ई-समावेशन के लिए मंथन पुरस्कार दक्षिण एशिया 2009, प्रदान किया गया। यह पुरस्कार संस्थान के वेब आधारित डिजिटल उत्पाद 'ऑनलाइन हीयरिंग स्क्रीनिंग' (checkhearing.nic.in) के लिए दिया गया।

- वर्ष 2010 में दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित – यह पुरस्कार सार्वजनिक क्षेत्र/स्वायत्त निकायों/स्थानीय निकायों की वेबसाइट श्रेणी में सबसे अधिक सुलभ वेबसाइट (ayjnihh.nic.in) के लिए प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2011 में आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय 'वी केयर फिल्मफेस्ट' में विशेष उल्लेख पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2011 में राष्ट्रीय सार्वभौमिक डिज़ाइन पुरस्कार (एनसीपीईडीपी-मफैसिस पुरस्कार) प्राप्त हुआ।
- '60 सेकंड्स टू फेम' पुरस्कार, 2011 में आयोजित 4वें इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 'एबिलिटी फेस्ट' में संस्थान द्वारा बनाई गई फिल्म 'भारतीय सांकेतिक भाषा में हिंदी में राष्ट्रगान' के लिए प्रदान किया गया, जो 'ब्रेकिंग द बैरियर' की थीम पर आधारित था।
- डॉ वर्षा गठ्ठू को वर्ष 2013 में मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2016 में एक ही स्थान पर आठ घंटे के भीतर 600 श्रवण यंत्र लगाने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड (GWR) प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2019 में गोवा में आयोजित इंटरनेशनल डेफ समिट में वाक एवं श्रवण दिव्यांगजनों को उत्कृष्ट सेवाओं हेतु प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।
- संस्थान की एडिप योजना के तहत कॉक्लिअर इम्प्लांटेशन योजना को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2020 (इनोवेशन श्रेणी) के लिए चुना गया (958 प्रविष्टियों में से शीर्ष 12 में स्थान सुनिश्चित किया)।
- वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान दिव्यांगजनों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त करने वाला प्रथम राष्ट्रीय संस्थान बना।
- वर्ष 2021 में मॉडल सीडीईआईसी की स्थापना हेतु माननीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।

- वर्ष 2022 में दिल्ली में दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम में योगदान के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव द्वारा प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।
- वर्ष 2022 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) द्वारा यूजी/ब्रॉड स्पेशलिटी पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु श्रवण दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने हेतु मान्यता प्राप्त करने वाला प्रथम राष्ट्रीय संस्थान बना।
- वर्ष 2024 में एबीपी स्वास्थ्य सम्मान द्वारा वाक् थेरेपी में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्टिफिकेट ऑफ़ ऑनर प्राप्त हुआ।

**********

## अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का संक्षेपण

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई (अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान), सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का अधिनियम XXX) के तहत एक पंजीकृत सोसायटी है जिसकी स्थापना 9 अगस्त 1983 को हुई थी। यह दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है। वर्ष 2024-25 के लिए अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्रों (RC) और समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास और दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्रों (CRC) की महत्वपूर्ण गतिविधियों और उपलब्धियों का सारांश निम्न प्रकार प्रस्तुत है।

- संस्थान और इसके आरसी ने अपने नैदानिक और आउटरीच और विस्तार सेवाओं के माध्यम से 31653 नए लाभार्थियों और 91879 अनुवर्ती लाभार्थियों को सेवा प्रदान की। नए और अनुवर्ती लाभार्थियों को 463013 सहायता सेवाएं प्रदान की गई।

- सीआरसी, अहमदाबाद ने 5372 नए और 30015 फॉलो-अप लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान की तथा कुल 219050 सहायक सेवाएं प्रदान की।सीआरसी, छतरपुर ने 2376 नए और 3661 फॉलो-अप लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान की तथा कुल 44014 सहायक सेवाएं प्रदान की। सीआरसी, नागपुर ने 8788 नए और 14965 फॉलो-अप क्ला लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान कीं तथा कुल 54517 सहायक सेवाएं प्रदान की।

- संस्थान और इसके आरसी ने 5648 लाभार्थियों को 8768 सहायक उपकरण वितरित किए। संस्थान ने वर्ष 2024-25 के दौरान एडिप योजना के तहत 58 शिविर आयोजित किए।

- वर्ष 2024-25 के दौरान श्रवण दिव्यांगता वाले 42 बच्चों को कोक्लिअर इम्प्लांटेशन से लाभान्वित किया गया है। देश भर में कोक्लिअर इम्प्लांट सर्जरी के लिए कुल 152 अस्पताल सूचीबद्ध हैं और पोस्ट ऑपरेटिव चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने के लिए 982 आरसीआई पंजीकृत पेशेवर हैं।

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, क्रॉस डिसेबिलिटी अर्ली आइडेंटिफिकेशन एंड इंटरवेंशन सेंटर (सीडीईआईसी) ने श्रवण, बौद्धिक, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम अक्षमता, अल्प दृष्टि, बहु-दिव्यांगताजन और प्रमस्तिष्क पक्षाघात से पीड़ित 140 बच्चों को सेवा प्रदान की। विभिन्न सेवाओं के लिए सीडीईआईसी में 5056 अनुवर्ती मामले और 143268 सहायता सेवाएं प्रदान की गईं।

- महाराष्ट्र सरकार ने अगस्त 2016 से अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई को श्रवण दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दी। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, 210 दिव्यांगजनों ने यूडीआईडी के लिए पंजीकरण कराया और सभी को उनके यूडीआईडी प्राप्त हुए।

- संस्थान ने वर्ष 2024-25 के दौरान निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना – हेल्प डेस्क/नामांकन केंद्र शुरू किया। कुल 46 दिव्यांगजनों ने योजना में नामांकन कराया।

- दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत, संस्थान और इसके आरसी ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 480 विद्यार्थियों को नामांकित किया। वर्ष के दौरान एक पीएचडी शोधार्थी ने मुंबई विश्वविद्यालय में अपनी थीसिस प्रस्तुत की। संस्थान ने महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक के अंतर्गत ऑडियोलॉजी तथा स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी में पीएच.डी. कार्यक्रम को पुनः प्रारंभ किया है।

- प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण (डीटीआईएसएल) पाठ्यक्रम में दो वर्षीय डिप्लोमा मुख्यालय-मुंबई, क्षेत्रीय केंद्र-कोलकाता, क्षेत्रीय केंद्र-सिकंदराबाद, क्षेत्रीय केंद्र-जनला और गोवा विस्तार काउंटर में शुरू किया गया। इसके अतिरिक्त, भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय सांकेतिक भाषा व्याख्या पाठ्यक्रम में डिप्लोमा, क्षेत्रीय केंद्र-जनला में शुरू किया गया।

- दिव्यांगजनों के लिए कौशल प्रशिक्षण - दिव्यांगजनों के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर पाठ्यक्रम का उद्घाटन 15 फरवरी, 2024 को मुख्यालय, मुंबई में किया गया। इस पाठ्यक्रम के लिए पीएम-दक्ष, डीईपीडब्ल्यूडी पोर्टल के माध्यम से कुल 16 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए। यह पाठ्यक्रम पाँच महीने की अवधि का है और दिव्यांगजनों के लिए कौशल परिषद द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

- संस्थान ने रेलवे भर्ती परीक्षा बोर्ड और कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा (आरआरबी/एसएससी) हेतु दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना का पहला बैच आरम्भ किया। जून में शुरू हुए इस कोर्स के लिए कुल 17 दिव्यांग छात्रों (16 श्रवण दिव्यांग और 1 निम्न दृष्टि दिव्यांग) को दाखिल किया गया और यह पाठ्यक्रम दिसंबर, 2024 में पूर्ण हुआ। दिव्यांगजनों के लिए पीएम दक्ष रोजगार कौशल कार्यक्रम अगस्त 2024 में संस्थान में प्रारंभ किया गया, जिसमें श्रवण बाधित 10 बच्चों ने पाठ्यक्रम में नामांकन लिया।

- संस्थान ने 2024-25 के दौरान 141 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिससे 14711 पुनर्वास पेशेवरों, माता-पिता और संबद्ध पेशेवरों को लाभ हुआ।

- संस्थान में दिव्यांगता सूचना लाइन (डीआईएल) स्थापित है जिसे 10 अंकों के टोल-फ्री नंबर वाले सर्वर-आधारित सिस्टम को अपग्रेड करके भारत की पहली क्लाउड-आधारित राष्ट्रीय दिव्यांगता सूचना हेल्पलाइन (एनडीआईएचएस) में बदल दिया गया है, जिसमें 5 अंकों का नंबर '14456' है। यह उन्नत 24/7 इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम

(आईवीआरएस) 21 प्रकार की दिव्यांगताओं पर व्यापक जानकारी प्रदान करता है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, एनडीआईएचएस को कुल 90236 कॉल प्राप्त हुए।

- मुंबई स्थित अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान की केंद्रीय वातानुकूलित पुस्तकालय ने अपने संग्रह में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें और पत्रिकाएं मौजूद हैं। इसमें 2032 हिंदी पुस्तकों, पत्रिकाओं के पुराने संस्करणों के 1385 बाउंड सहित 18015 पठन सामग्री है।

- 8 मई 2024 को गोवा विश्वविद्यालय, तालेगांव में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने अपने पहले विस्तार काउंटर की स्थापना से दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के क्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में स्थापित किया। गोवा विश्वविद्यालय और राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय के सहयोग से स्थापित यह केंद्र राज्य में दिव्यांगजनों तक पहुँच बढ़ाने और समावेश को बढ़ावा देने की संयुक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विस्तार काउंटर को समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण केंद्र (सीआरसी) में अपग्रेड किया गया है।

- दिव्यांगजनों के लिए 12 से 14 अगस्त 2024 के दौरान दिव्यांगजन रोजगार मेला (जॉब फेयर) कल्याण, जि. ठाणे में आयोजित किया गया। अमेज़न के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों सहित गतिशील दिव्यांगता (40% से 45% दिव्यांगता) वाले व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान, मुंबई ने कल्याण, डोंबिवली नगर निगम की साझेदारी के साथ मेले का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लिए कुल 118 दिव्यांग उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया और 47 व्यक्तियों को अमेज़न द्वारा उनके भिवंडी और पडघा स्थानों पर वेयरहाउस एसोसिएट पदों के लिए चुना गया।

- 18 नवंबर, 2024 को संस्थान ने नेशनल सेंटर फॉर फाइनेंशियल एजुकेशन और इंडिया साइनिंग हैंड्स के साथ मिलकर मुंबई में श्रवण दिव्यागजनों के लिए वित्तीय साक्षरता सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया और

आरबीआई, सेबी और पीएफआरडीए के अधिकारियों द्वारा सूचनात्मक सत्र आयोजित किए गए, जिसमें उन्होंने वित्तीय निवेश, सावधानियों और सुलभता पर बात की, जिसका उद्देश्य श्रवण दिव्यांगज समुदाय के बीच वित्तीय समावेशन और जागरूकता को बढ़ावा देना था।

- संस्थान ने सभी राष्ट्रीय एवं दिव्यांगता संबंधी विशिष्ट दिवसों को विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सेमिनार और वेबिनार आयोजित कर मनाया। 22 फरवरी 2025 को, विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा (MSU बड़ौदा) के सहयोग से, मुंबई में 'श्रवण दिव्यांग आजीविका मेला 2025' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा समर्थित, यह मेला नौकरी चाहने वाले श्रवण दिव्यांगजनों के लिए नियोक्ताओं के साथ जुड़ने, उद्यमिता के अवसरों का पता लगाने और एआई से संबंधित कौशल विकसित करने के लिए एक समावेशी मंच के रूप में कार्य करता है। भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषियों ने पूरे आयोजन के दौरान निर्बाध संचार सुनिश्चित किया। इस मेले में अमेज़ॅन, टेक महिंद्रा फ़ाउंडेशन और बिग बास्केट जैसे नियोक्ताओं ने भाग लिया, जिसमें 200 श्रवण दिव्यांग उम्मीदवार शामिल हुए और 61 को रोज़गार मिला - अधिकांश प्लेसमेंट अमेज़न द्वारा किए गए। इस कार्यक्रम ने कार्यस्थल की विविधता और समावेशन के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे सभी प्रतिभागियों पर सार्थक प्रभाव पड़ा।

- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को हंस फाउंडेशन से निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) सहायता के तहत एक विशेष रूप से सुसज्जित बस, 23 मानव संसाधन कर्मियों और तीन साल के रखरखाव समर्थन के लिए स्वीकृति मिली है। इसके अलावा, संस्थान को हंस फाउंडेशन से सीआरएस (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत वित्तपोषित एक थेरेपी बस, 23 स्टाफ सदस्य, और तीन वर्षों का रखरखाव समर्थन सीआरसी-अहमदाबाद के लिए प्राप्त होगा।

- जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी री) ने निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) अनुदान के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और सीडीईआईसी के लिए एक सेंसरी पार्क, वर्चुअल रियलिटी रूम और म्यूजिक थेरेपी रूम की स्थापना के लिए ₹1,29,97,582/- मंजूर किए हैं। ये परियोजनाएं वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान एक वर्ष की अवधि के लिए हैं।

- जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (GIC Re) ने सीएसआर अनुदान के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति दी है और सीडीईआईसी के लिए एक सेंसरी पार्क, वर्चुअल रियलिटी रूम और म्यूज़िक थेरेपी रूम की स्थापना हेतु ₹1,29,97,582/- की राशि की मंजूर दी है। यह परियोजना वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान एक वर्ष की अवधि सम्पादित होगी।

- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान को कोटक सिक्योरिटीज़ लिमिटेड से सीएसआर अनुदान के रूप में ₹2,74,00,000/- प्राप्त हुए हैं, जिसका उपयोग 2024-25 के दौरान 294 एडिप-सीआई लाभार्थियों के लिए रिपेयर, रिप्लेसमेंट तथा नए एक्सेसरीज़ और स्पीच प्रोसेसरों की खरीद हेतु किया जाएगा है।

- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने अगस्त 2024 में ओडिशा सरकार के सामाजिक सुरक्षा और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के साथ भारतीय सांकेतिक भाषा (Indian Sign Language) में शिक्षकों और अभिभावकों के प्रशिक्षण तथा आईएसएल इंटरप्रेटर प्रशिक्षण के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। कुल 8000 पेशेवर और अभिभावक इससे लाभान्वित होंगे।

- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए रोटरी संस्कारधाम अकादमी, हेलेन केलर इंस्टीट्यूट फॉर डेफ एंड डेफब्लाइंड, बालविद्यालय - द स्कूल फॉर

यंग डेफ चिल्ड्रन इंस्टीट्यूट फॉर टीचर ट्रेनिंग, सोसाइटी फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ द डेफब्लाइंड, द स्टीफन हाई स्कूल फॉर द डेफ एंड अफेसिक और दिव्यांगजनों के लिए काम करने वाले डेमोस्थनीज टेक्नोलॉजीज जैसे संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए पेशेवरों और कौशल विकास पहलों के लिए सीआरई और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना है।

- पीएम यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत एक स्नातकोत्तर मेधावी छात्र को गणतंत्र दिवस परेड, 2025 में कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में विशेष अतिथि के रूप में चयनित किया गया।

- वर्ष 2024–2025 में अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से पात्र छात्रों को सहायता प्रदान की। कुल 20 छात्रों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। 7 छात्रों को ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों के लिए टॉप क्लास एजुकेशन हेतु पीएम यशस्वी केंद्रीय क्षेत्र योजना का लाभ मिला, तथा 6 छात्रों को अनुसूचित जनजाति के लिए टॉप क्लास एजुकेशन छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 3 छात्रों को महा-डीबीटी छात्रवृत्ति, 1 छात्र को दिव्यांग छात्रों के लिए टॉप क्लास एजुकेशन छात्रवृत्ति, और 2 छात्रों को विध्यादान सहाय्यक मंडल छात्रवृत्ति के तहत सहायता प्रदान की गई।

- प्रधानमंत्री दिव्याशा (पीएम डीके) केंद्र, एलिम्को और अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान के बीच एक सहयोगी पहल ने व्हील चेयर, मोटर चालित ट्राइसाइकिल आदि जैसे सहायक उपकरणों के वितरण के संदर्भ में समर्थन सेवाएं प्रदान प्रदान की जा रही है।

- क्लब फुट (clubfoot) से पीड़ित बच्चों के जीवन में बदलाव लाने के एक हिस्से के रूप में, अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने अपने कार्यालय परिसर में एक सुविधा केंद्र शुरू करने के लिए क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- श्रवण एवं दृष्टि दिव्यांगजनों के लिए कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने की अपनी पहल के हिस्से के रूप में, संस्थान ने सोसाइटी फॉर एम्पावरमेंट ऑफ द डेफ-ब्लाइंड (SEDB) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग के माध्यम से, SEDB की सेवाएं अब अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान में उपलब्ध हैं, ताकि श्रवण एवं दृष्टि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और समावेशन का समर्थन किया जा सके।

- अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान ने मुख्यालय, आरसी और सीआरसी के संकाय और नैदानिक कर्मचारियों के लिए AIISH मैसूर में 2 बैचों में एक अध्ययन दौरे का आयोजन किया था। अध्ययन दौरे से कुल 20 तकनीकी अधिकारीगण/कर्मचारीगण लाभान्वित हुए।

- संस्थान ने एक नई पहल, "शून्य बजट में अनुसंधान परियोजनाएं" शुरू की, जिसका उद्देश्य बिना किसी वित्तीय अनुदान के संस्थान के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके अनुसंधान को बढ़ावा देना है। 2024-25 के दौरान, संस्थान ने इस पहल के तहत 7 इन-हाउस अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी।

- एबीपी स्वास्थ्य सम्मान 2024 द्वारा स्पीच थेरेपी में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्टिफिकेट ऑफ़ ऑनर प्राप्त किया।

दिनांक: 02.06.2025

**अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान [एवाईजेएनआईएसएचडी(डी)] का दौरा कर संस्थान की कार्यप्रणाली को देखना तथा संस्थान के प्रतिनिधियों और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग) द्वारा संस्थान की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान करना।**

**<u>संस्थान के उद्देश्य एवं संरचना</u>**

1. **वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों के कल्याण और समावेशन को बढ़ावा देने में एवाईजेएनआईएसएचडी(डी) के मुख्य उद्देश्य और मिशन क्या हैं?**

   अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्थान (एवाईजेएनआईएसएचडी), मुंबई की स्थापना 9 अगस्त 1983 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी। यह संस्थान दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत्त है। यह संस्थान मुंबई के बांद्रा (पश्चिम) में स्थित है। संस्थान ने कोलकाता (1984), नोएडा (1986), सिकंदराबाद (1986) और जानला, ओडिशा (1986) में क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) स्थापित किए हैं। वर्तमान में, दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के कौशल विकास, पुनर्वास और रोजगार के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) – अहमदाबाद (2011), नागपुर (2020), और छतरपुर (2023) – एवाईजेएनआईएसएचडी (डी) के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित हो रहे हैं। संस्थान ने गोवा में एक एक्सटेंशन काउंटर भी आरम्भ किया, जिसे अब सीआरसी का दर्जा मिल चुका है। ये सभी केंद्र विभिन्न आयु वर्गों के दिव्यांगजनों की स्थानीय और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित हैं। संस्थान के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं।

- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा एवं पुनर्वास से जुड़े सभी पहलुओं पर अनुदानित अनुसंधान, प्रायोजन, समन्वय एवं इनके लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना।

- सहायक साधन-सामग्री के प्रभावी मूल्यांकन अथवा उपयुक्त शल्य या चिकित्सा विधि अथवा नई साधन-सामग्री के विकास हेतु जैव-चिकित्सा अभियांत्रिकी में शोध कार्य का आयोजन, प्रायोजन, समन्वय एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना।
- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के उन्नयन के लिए प्रशिक्षणार्थी, शिक्षक, रोज़गार अधिकारी, मनोवैज्ञानिक, व्यावसायिक सलाहकार एवं ऐसे अन्य कर्मचारियों के लिए जिन्हें संस्थान आवश्यक समझता है, उनके प्रशिक्षण का आयोजन एवं प्रायोजन करना।
- श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा, पुनर्वास एवं चिकित्सा के किसी भी पहलू से संबंधित किसी या सभी तरह की साधन-सामग्री के प्रारूप का विकास एवं उनका उन्नयन, वितरण एवं आर्थिक सहायता प्रदान करना।

## 2. संस्थान की संगठनात्मक संरचना क्या है, तथा इसके मुख्य एवं क्षेत्रीय केंद्र सेवाएं एवं कार्यक्रम प्रदान करने में किस प्रकार एकीकृत हैं?

**अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि. संस्थान का संगठनात्मक संचित्र**

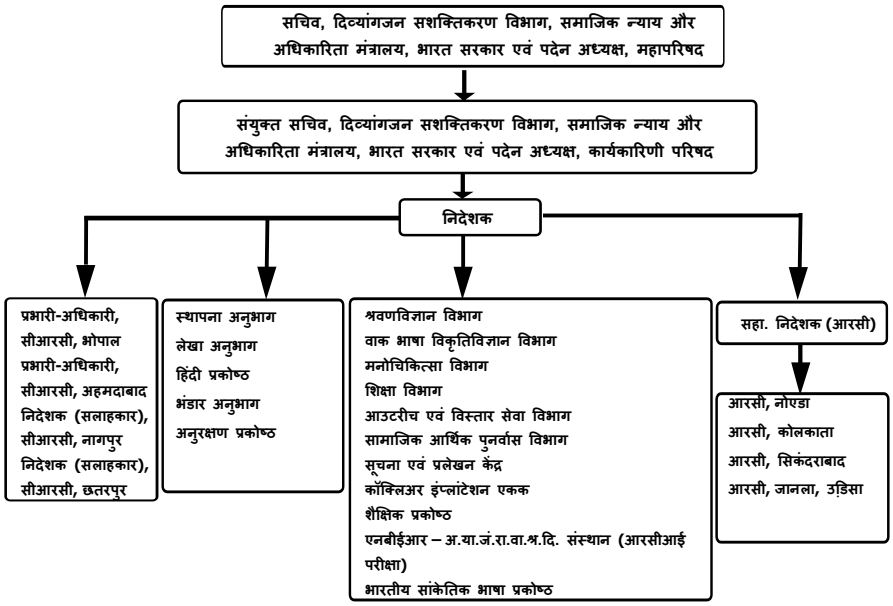

**<u>शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>**

3. **वर्तमान में कौन से स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं? कृपया प्रत्येक के लिए पात्रता मानदंड और अवधि निर्दिष्ट करें। तथा**
4. **प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए वार्षिक प्रवेश क्षमता क्या है, और प्रवेश प्रक्रिया कैसे आयोजित की जाती है (उदाहरण के लिए, प्रवेश परीक्षा, योग्यता-आधारित)?**

| क्र. सं | पाठ्यक्रम | क्षमता | अवधि | पात्रता | प्रवेश प्रक्रिया |
|---|---|---|---|---|---|
| 01. | एम.एससी. (श्रवणविज्ञान) मुंबई | 12 | 2 वर्ष | i) उम्मीदवार ने श्रवणविज्ञान और वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान में स्नातक डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा आरसीआई, नई दिल्ली से संबद्ध समकक्ष डिग्री न्यूनतम 55% अंकों (अनारक्षित / ओबीसी श्रेणी) अथवा न्यूनतम 50% अंकों (एससी / एसटी / दिव्यांगजन) के साथ उत्तीर्ण की हो।<br>ii) शैक्षणिक वर्ष की 31 जुलाई तक अनिवार्य रोटेशन इंटर्नशिप की निर्धारित अवधि पूरी कर ली हो तथा | एवाईजेएनआईएसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | आर.सी.आई., नई दिल्ली में पंजीकृत हो। | |
| | एम.एससी.<br>(श्रवणविज्ञान)<br>आरसी, सिकंदराबाद | 12 + 1<br>(ईडब्ल्यूएस) | | iii) उम्मीदवार ने श्रवणविज्ञान और वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान में स्नातक डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा आरसीआई, नई दिल्ली से संबद्ध समकक्ष डिग्री न्यूनतम 55% अंकों (अनारक्षित / ओबीसी श्रेणी) अथवा न्यूनतम 50% अंकों (एससी / एसटी / दिव्यांगजन) के साथ उत्तीर्ण की हो। अनिवार्य रोटेशन इंटर्नशिप की निर्धारित अवधि पूरी कर ली हो।<br>अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / दिव्यांगजन तथा अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण और छूट केन्द्र सरकार / राज्य सरकार के लागू | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | नियमों के अनुसार होगी। | |
| 02. | विज्ञान स्नातकोत्तर<br>(वाक् भाषा विकृतिविज्ञ<br>आरसी., कोलकाता | 15 | | i) उम्मीदवार ने श्रवणविज्ञान और वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान में स्नातक डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा आरसीआई, नई दिल्ली से संबद्ध समकक्ष डिग्री न्यूनतम 55% अंकों (अनारक्षित / ओबीसी श्रेणी) अथवा न्यूनतम 50% अंकों (एससी / एसटी / दिव्यांगजन) के साथ उत्तीर्ण की हो।<br>ii) रोटेशन इंटर्नशिप की निर्धारित अवधि पूरी कर ली हो तथा आरसीआई, नई दिल्ली में पंजीकृत हो। | एवाईजेएनआई एसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |
| 03. | श्रवणविज्ञान एवं<br>वाक् भाषा<br>विकृति विज्ञान में<br>स्नातक | 40<br>(25+15*) | 4 वर्ष | **क) <u>मुंबई केंद्र के लिए</u>**,<br>i) 10+2(एचएससी) भौतिकी और रसायन विज्ञान सहित निम्नलिखित से कोई भी एक विषय: | एवाईजेएनआई एसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | जीवविज्ञान / गणित / कंप्यूटर विज्ञान / सांख्यिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / मनोविज्ञान के साथ उत्तीर्ण।<br>ii) अनारक्षित / ओबीसी विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 50% और एससी / एसटी / दिव्यांगजन के लिए न्यूनतम 45% अंक | |
| | | 31 | | **<u>ख) कोलकाता केंद्र के लिए</u>**<br>**i)** भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान / गणित / कंप्यूटर विज्ञान और अंग्रेजी तथा किसी अन्य पांचवें विषय के साथ 10+2 उत्तीर्ण की हो।<br>**ii)** प्रवेश के पिछले वर्ष की 31 दिसंबर को 17 वर्ष की आयु होनी चाहिए। अनारक्षित / ओबीसी के लिए न्यूनतम 50% और एससी / एसटी / दिव्यांगजन के लिए | एवाईजेएनआईएसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | न्यूनतम 45% अंक | |
| | | 25 | | **<u>ग) नोएडा केंद्र के लिए</u>**<br>i) भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान / गणित / कंप्यूटर विज्ञान / सांख्यिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / मनोविज्ञान के साथ 10+2 उत्तीर्ण।<br>ii) अनारक्षित / ओबीसी के लिए न्यूनतम 50% और एससी / एसटी / दिव्यांगजन के लिए न्यूनतम 45% अंक | जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |
| | | 31 + 3<br>(ईडब्ल्यूएस) | | • **<u>सिकंदराबाद केंद्र के लिए</u>**<br>i) 10+2 (एचएससी) भौतिकी, रसायन विज्ञान और निम्नलिखित में से कोई भी एक विषय जीवविज्ञान / गणित सहित उत्तीर्ण।<br>ii) अनारक्षित / ओबीसी के लिए न्यूनतम 50% और एससी / एसटी / दिव्यांगजन के लिए न्यूनतम 45% अंक | एवाईजेएनआईएसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / दिव्यांगजन तथा अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण और छूट केन्द्र सरकार / राज्य सरकार के लागू नियमों के अनुसार होगी। | |
| 04. | वाक् एवं श्रवण में डिप्लोमा<br>आरसी, जनला | 31 | 1 वर्ष | किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से 10 +2 पीसीबी/पीसीएम या इसके समकक्ष उत्तीर्ण।<br>अनारक्षित / ओबीसी के लिए न्यूनतम 50% और एससी / एसटी / दिव्यांगजन के लिए न्यूनतम 45% अंक | आरसीआई द्वारा निर्धारित मेरिट आधार पर प्रवेश |
| 05. | शिक्षा में स्नातकोत्तर<br>विशेष शिक्षा<br>(श्रवण बाधिता)<br>मुंबई | 23 | 2 वर्ष | यूजीसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एड. (एचआई) / बी.एड. (श्रवण बधिता) / बी.एड. (एचएच) / बी.एड. विशेष शिक्षा (एचआई) नियमित / दूरस्थ मोड या संबद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य समकक्ष डिग्री और / या यूजीसी और आरसीआई | एवाईजेएनआई एसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग से न्यूनतम 50% कुल अंकों के साथ उत्तीर्ण किया हो<br>या<br>उम्मीदवार ने बी.एड. (सामान्य शिक्षा) न्यूनतम 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो तथा श्रवण बाधिता में विशेष शिक्षा डिप्लोमा या आरसीआई (पुनर्वास परिषद् भारत) द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिप्लोमा न्यूनतम में न्यूनतम 50% अंकों के साथ सफलतापूर्वक पूर्ण किया हो।<br>(एससी / एसटी / दिव्यांगजन को विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा।) | |
| 06. | शिक्षा में स्नातक<br>विशेष शिक्षा | 30<br>23 | 2 वर्ष | यूजीसी मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में | एवाईजेएनआई एसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | (श्रवण बाधिता)<br><br>मुंबई<br><br>आर.सी. कोलकाता<br><br>आर.सी. सिकंदराबाद | 30 | | न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक की डिग्री या समकक्ष।<br><br>(एससी / एसटी / दिव्यांगजन के लिए विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षण)<br><br>**कोलकाता केंद्र के लिए-**<br><br>विज्ञान, सामाजिक विज्ञान या मानविकी में स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री में न्यूनतम 50% अंक अथवा विज्ञान और गणित में विशेषज्ञता के साथ इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में स्नातक डिग्री अथवा समकक्ष किसी अन्य योग्यता में न्यूनतम 55% अंकों सहित उत्तीर्ण अभ्यर्थी इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।<br><br>अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य | परीक्षा के माध्यम से |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन तथा अन्य आरक्षित श्रेणियों के लिए आरक्षण एवं अंकों में छूट केंद्र सरकार / राज्य सरकार द्वारा लागू नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी। | |
| 07. | शिक्षा में स्नातक<br>विशेष शिक्षा<br>(श्रवण बाधिता)<br>आरसी, जानला | 30 | 2 वर्ष | किसी भी यूजीसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री या समकक्ष।<br>(एससी/एसटी/दिव्यांगजन के लिए विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षण) | एवाईजेएनआई एसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |
| 08 | भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया में डिप्लोमा<br>मुंबई<br>जनला<br>अहमदाबाद<br>कोलकाता | 30<br>30<br>20<br>30 | | क) न्यूनतम 50% अंकों के साथ सीनियर सेकेंडरी (10+2) या समकक्ष।<br>ख) सक्रिय हाथ<br>ग) कम से कम एक भाषा में प्रवीणता<br>घ) द्विपक्षीय श्रवण संवेदनशीलता | आरसीआई द्वारा निर्धारित मेरिट आधार पर प्रवेश |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सामान्य सीमा के भीतर हो<br>दिव्यांगजन तथा अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण और छूट केन्द्र सरकार के नियमों के अनुसार होगी। | |
| 09. | भारतीय सांकेतिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा<br>मुंबई<br>गोवा<br>सिकंदराबाद<br>जनला<br>कोलकाता | 30<br>20<br>20<br>30<br>20 | 2 वर्ष | उम्मीदवार के पास होना चाहिए: दिव्यांगता प्रमाणपत्र (श्रवण दिव्यांग), न्यूनतम 45% अंकों के साथ कक्षा 10+2 (उच्च माध्यमिक) उत्तीर्ण या समकक्ष, आईएसएल में कुशल ग्रहणशील और उत्पादक कौशल। | आरसीआई द्वारा निर्धारित मेरिट आधार पर प्रवेश |
| 10. | शिक्षा में डिप्लोमा<br>खास शिक्षा<br>(श्रवण बाधिता)<br>कोलकाता<br>नोएडा | 31<br>35 + 3 (ईडब्ल्यूएस)<br>35 + 3 (ईडब्ल्यूएस)<br>35 + 3 | 2 वर्ष | i) उम्मीदवार ने किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा अनारक्षित/ओबीसी वर्ग के लिए न्यूनतम 50% अंक तथा एससी / एसटी / दिव्यांगजन वर्ग के लिए न्यूनतम 45% | आरसीआई द्वारा निर्धारित मेरिट आधार पर प्रवेश |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | सिकंदराबाद<br><br>जनला | (ईडब्ल्यूएस) | | अंकों सहित उत्तीर्ण की हो। | |
| 11. | श्रवण मौखिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा<br><br>मुंबई | 20 | 1 वर्ष | क) श्रवणविज्ञान /वाक्-भाषा विकृतिविज्ञान/वाक् एवं श्रवण या विशेष शिक्षा (श्रवण बधिता) में स्नातक की डिग्री या किसी अन्य विश्वविद्यालय / संस्थान से समकक्ष डिग्री।<br>ख) आरसीआई, नई दिल्ली के साथ पंजीकृत। | एवाईजेएनआईएसएचडी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से |
| 12. | श्रवण विज्ञान एवं वाक्-भाषा विकृति विज्ञान स्नातक<br><br>सीआरसी, अहमदाबाद | 20+2 (ईडब्ल्यूएस<br><br>(16+ 04#) | 4 वर्ष | उम्मीदवार ने 10+2 (एचएससी) परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा निम्नलिखित में से किसी एक विषय — जीव विज्ञान, गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स या मनोविज्ञान — के साथ उत्तीर्ण की हो। | जीसीएएस पोर्टल,<br><br>गुजरात सरकार |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | अनारक्षित/ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम 50% अंक तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांगजन हेतु न्यूनतम 45% अंक अनिवार्य हैं। | |
| 13. | शिक्षा स्नातक<br>विशेष शिक्षा<br>(आईडीडी)<br>सीआरसी,<br>अहमदाबाद | 30+3<br>(ईडब्ल्यूएस | 2 वर्ष | किसी भी यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों सहित स्नातक डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता आवश्यक है। (एससी/एसटी/दिव्यांग उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा)।<br>इसके अतिरिक्त, वे उम्मीदवार भी इस कार्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे जिन्होंने स्नातक डिग्री और/या विज्ञान, सामाजिक विज्ञान या मानविकी में स्नात्कोत्तर डिग्री प्राप्त की हो, अथवा विज्ञान एवं गणित में | जीसीएएस<br>पोर्टल,<br>गुजरात सरकार |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | विशेषज्ञता सहित इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में स्नातक डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता न्यूनतम 55% अंकों के साथ अर्जित की हो तथा समग्र रूप से न्यूनतम 50% अंक प्राप्त किए हों।<br><br>एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांगजन एवं अन्य आरक्षित श्रेणियों हेतु आरक्षण एवं अंकों में छूट केंद्र सरकार/राज्य सरकार द्वारा लागू नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी, जो भी प्रासंगिक हो। | |
| 14. | शिक्षा में डिप्लोमा<br>विशेष शिक्षा<br>(आईडीडी)<br>सीआरसी,<br>अहमदाबाद | 35+3<br>(ईडब्ल्यूएस | 2 वर्ष | किसी भी विषय में 50% अंकों के साथ 10+2 या समकक्ष उत्तीर्ण उम्मीदवार इस कोर्स के लिए पात्र हैं।<br><br>एससी/एसटी/ओबीसी/दिव्यांगजन और अन्य श्रेणियों के लिए आरक्षण और छूट केंद्र सरकार के | आरसीआई द्वारा निर्धारित मेरिट आधार पर प्रवेश |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | नियमों के अनुसार होगी। | |
| 15 | पीएच.डी.<br>(वाक् एवं श्रवण)<br>मुंबई | 06 | 3<br>वर्ष | एम.एससी. (श्रवण विज्ञान/ वाक् भाषा विकृतिविज्ञान) या<br>एमएएसएलपी और पीईटी पात्रता | एमयूएचएस |
| 16 | पीएच.डी.<br>(विशेष शिक्षा)<br>मुंबई | 20 | 3<br>वर्ष | एम.एड.(विशेष शिक्षा)<br>एवं पीईटी पात्रता | मुंबई<br>विश्वविद्यालय |
| 17 | पीएच.डी.<br>(एएसएलपी)<br>कोलकाता | 06 | 3<br>वर्ष | एम.एससी. (श्रवण विज्ञान/ वाक् भाषा विकृतिविज्ञान) या<br>एमएएसएलपी और पीईटी पात्रता | डब्ल्यूबीयूएचएस |

5. **संस्थान अपने शैक्षिक कार्यक्रमों की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और मान्यता सुनिश्चित करने के साथ-साथ संकाय मानकों को किस प्रकार बनाए रखता है?**

   संस्थान का नियमित मूल्यांकन संबद्ध विश्वविद्यालयों द्वारा गठित स्थानीय निरीक्षण समिति तथा पुनर्वास परिषद् भारत, नई दिल्ली के द्वारा किया जाता है।

6. **क्या वाक् और श्रवण दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों एवं देखभालकर्ताओं के लिए कोई सतत शिक्षा या कौशल विकास कार्यक्रम उपलब्ध हैं?**

जी हाँ, पुनर्वास परिषद् भारत के केंद्रीय पुनर्वास पंजी (CRR) में पंजीकृत पेशेवरों के लिए सतत पुनर्वास शिक्षा (CRE) कार्यक्रम उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगजनों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं।

**<u>नैदानिक एवं पुनर्वास सेवाएं</u>**

**7. मुख्यालय एवं क्षेत्रीय केंद्रों पर कौन-कौन सी नैदानिक एवं पुनर्वास सेवाएं, जैसे निदान, उपचार और परामर्श, प्रदान की जाती हैं?**

- श्रवण, वाक् एवं भाषा विकारों का मूल्यांकन एवं निदान
- यूडीआईडी कार्ड जारी करना
- श्रवण यंत्र एवं ईयर मोल्ड का चयन और फिटिंग
- मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन
- शैक्षिक मूल्यांकन सेवाएं
- मनोचिकित्सा एवं व्यवहार उपचार
- अभिभावक मार्गदर्शन एवं परामर्श
- प्रारंभिक हस्तक्षेप एवं विद्यालय पूर्व तैयारी कार्यक्रम
- बहु-दिव्यांगता से संबंधित प्रारंभिक हस्तक्षेप एवं विद्यालय पूर्व तैयारी कार्यक्रम
- एनआईओएस के माध्यम से सतत शिक्षा
- आउटरीच एवं विस्तार सेवाएं
- अभिभावक सशक्तिकरण कार्यक्रम
- व्यवसायिक मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं नियुक्ति सेवाएं
- वाक् एवं भाषा चिकित्सा
- कॉक्लिअर इम्प्लांट सहायता सेवाएं
- निःशुल्क दिव्यांगता सूचना सेवा (टोल-फ्री)
- वेस्टीब्युलर मूल्यांकन एवं पुनर्वास (संतुलन संबंधी परीक्षण एवं उपचार

8. **संस्थान श्रवण एवं वाक् दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरणों (जैसे श्रवण यंत्र, वाक् उपकरण) के विकास, अनुकूलन और वितरण में किस प्रकार सहयोग करता है?**

श्रवण विज्ञान विभाग प्रत्येक लाभार्थी के कान-विशिष्ट श्रवण स्तर का निर्धारण करने हेतु विशेष ऑडियोलॉजिकल परीक्षण करता है। इन सटीक मापों के आधार पर, कम्प्यूटर आधारित तकनीक की सहायता से श्रवण विशेषज्ञों द्वारा श्रवण यंत्रों का चयन एवं उन्हें अनुकूलित किया जाता है, जिससे बेहतर श्रवण अनुभव और उपयुक्त फिटिंग सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, श्रवण दिव्यांगजनों को आरामदायक और प्रभावी उपयोग के लिए कस्टम ईयर मोल्ड्स भी प्रदान किए जाते हैं।

वाक्-भाषा विकृति विभाग वाक् एवं भाषा विकारों से ग्रसित व्यक्तियों का मूल्यांकन कर उन्हें आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत रूप से अनुकूलित उपचार प्रदान करता है।

विशेष शिक्षा विभाग श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए शैक्षिक मूल्यांकन तथा व्यक्तिगत शैक्षिक योजना प्रदान करता है, साथ ही उन्हें उपचारात्मक शिक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है।

9. **गत वर्ष संस्थान एवं उसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा कितने लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान की गईं? क्या उपचार के बाद फॉलो-अप की कोई व्यवस्था है?**

संस्थान एवं उसके क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा गत वर्ष कुल **31,653 नए लाभार्थियों** तथा **91,879 फॉलो-अप लाभार्थियों** को क्लीनिकों एवं आउटरीच/विस्तार सेवाओं के माध्यम से सेवाएं प्रदान की गईं। नए एवं फॉलो-अप लाभार्थियों को प्रदान की गई कुल **सहायता सेवाओं की संख्या 4,63,013** रही।

उपचारोपरांत फॉलो-अप की नियमित व्यवस्था की गई है, जिसके अंतर्गत लाभार्थियों को विभिन्न प्रकार की सहायक सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

**अनुसंधान एवं विकास**

**10. वर्तमान में संस्थान के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र कौन-कौन से हैं, और वे वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों के पुनर्वास की नीतियों अथवा व्यवहारिक प्रक्रियाओं में किस प्रकार योगदान करते हैं?**

**एवायजेएनआईएसएचडी** वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजनों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति लाने हेतु अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलग्न है। वर्तमान में चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं में **हिंदी एवं तेलुगु भाषाओं में एप्रैक्सिया बैटरी फॉर एडल्ट्स (Apraxia Battery for Adults)** का रूपांतरण तथा **एडिप योजना** के अंतर्गत कॉक्लिअर इंप्लांट प्राप्त बच्चों में वाक्, भाषा और श्रवण कौशल का मूल्यांकन शामिल हैं।

पहले पूर्ण की गई परियोजनाओं में **दाएं गोलार्द्ध विकारों के लिए बांग्ला में एक संप्रेषण भाषाई मूल्यांकन प्रोटोकॉल** का विकास तथा कटे हुए होठ और तालू **से ग्रसित दिव्यांगजनों के लिए आईसीएफ आधारित प्रभाव मूल्यांकन उपकरण (Impact Assessment Tool)** का विकास शामिल है।

इन अनुसंधान परियोजनाओं का उद्देश्य निदान उपकरणों का विकास, हस्तक्षेपों का मूल्यांकन एवं वाक् और श्रवण दिव्यांगजनों के लिए उपचार रणनीतियों को सुदृढ़ करना है।

संस्थान ने **"शून्य बजट अनुसंधान परियोजना" (Research Projects with Zero Budget)** नामक एक नई पहल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य संस्थान की उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए वित्तीय व्यय के बिना अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। **वर्ष 2024-25 के दौरान, इस पहल के अंतर्गत 7 अनुसंधान परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया गया है।**

**11. क्या किसी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय संस्थान, विश्वविद्यालय अथवा औद्योगिक भागीदारों के साथ वर्तमान में कोई अनुसंधान सहयोग या समझौता ज्ञापन (MoU) सक्रिय है?**

**जी हाँ,** संस्थान ने **स्वीडन की जोनकोपिंग यूनिवर्सिटी** तथा **संयुक्त राज्य अमेरिका की स्टीफन एफ. ऑस्टिन स्टेट यूनिवर्सिटी** जैसे अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान सहयोग की पहल की

है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने **राष्ट्रीय संस्थानों एवं औद्योगिक भागीदारों** के साथ भी समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए हैं।

**12. क्या संस्थान में कोई समर्पित अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ या नवाचार प्रयोगशाला है? संस्थान में आंतरिक अनुसंधान हेतु किस प्रकार का वित्तपोषण या सहयोग उपलब्ध है?**

**जी नहीं, वर्तमान में संस्थान में कोई समर्पित अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ स्थापित नहीं है।**

हालाँकि, **श्रवण विज्ञान एवं वाक् विज्ञान** का उपयोग अनुसंधान एवं विकास संबंधी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

**<u>सामुदायिक जनसंपर्क एवं जागरूकता</u>**

**13. एवायजेएनआईएसएचडी नियमित रूप से किन सामुदायिक कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों या आउटरीच शिविरों का आयोजन करता है, विशेषकर ग्रामीण या असहाय क्षेत्रों में?**

**एवायजेएनआईएसएचडी** भारत के विभिन्न भागों में नियमित रूप से निदान एवं श्रवण यंत्र फिटमेंट शिविरों का आयोजन करता है, जिनका लक्ष्य सभी आयु वर्ग के श्रवण दिव्यांगजनों को सेवाएं प्रदान करना है। ये सामुदायिक कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों पर केंद्रित होते हैं ताकि प्रारंभिक पहचान, हस्तक्षेप और पुनर्वास सेवाओं तक समान अवसर सुनिश्चित किया जा सके। इन शिविरों के दौरान श्रवण स्वास्थ्य और प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व के बारे में जनसामान्य को जागरूक करने हेतु अभियानों का भी आयोजन किया जाता है। शिविरों के पश्चात् लाभार्थियों का फॉलो-अप किया जाता है तथा मार्गदर्शन एवं परामर्श भी प्रदान किया जाता है। इस वर्ष नए परियोजनाओं की शुरुआत की गई है, जिनमें नगर पालिका अस्पतालों में यूनिवर्सल नवजात श्रवण जांच और बालवाड़ी से लेकर प्री-प्राइमरी से सेकेंडरी तक के विद्यालयीन छात्रों के लिए विद्यालयीन जांच कार्यक्रम शामिल हैं। संस्थान एवं उसके क्षेत्रीय केंद्रों ने वर्ष 2024-25 के दौरान पूरे देश में एडिप योजना के तहत कुल 58 शिविर आयोजित किए।

**14. संस्थान अपने आउटरीच प्रयासों की योजना बनाने और क्रियान्वयन में परिवारों, स्थानीय संगठनों और समुदाय के हितधारकों को कैसे शामिल करता है?**

संस्थान सक्रिय रूप से परिवारों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों, श्रवण दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष विद्यालयों और अस्पतालों के साथ सहयोग करता है। ये हितधारक आउटरीच गतिविधियों की योजना बनाने और क्रियान्वयन में सम्मिलित होते हैं, लाभार्थियों की पहचान करने, व्यवस्थाओं को सुगम बनाने और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं। परिवारों को भी आउटरीच शिविरों के दौरान परामर्श और सहायक सत्रों के माध्यम से शामिल किया जाता है, जिससे सेवाओं की एक समग्र और समावेशी व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

## विद्यार्थियों की सहायता एवं नियोजन

**15. विद्यार्थियों को कौन-कौन सी सहायता सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिनमें कैरियर काउंसलिंग, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सहायता शामिल हैं?**

संस्थान अपने परिसर के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करता है, जो बीएएसएलपी, बी.एड. विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता), और एम.एड. विशेष शिक्षा (श्रवण बाधिता) कार्यक्रमों को पूरा कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान छात्रों को प्लेसमेंट सहायता भी उपलब्ध कराता है।

**16. स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का प्लेसमेंट प्रतिशत क्या है, और सामान्यतः वे किस प्रकार के रोजगार क्षेत्रों या भूमिकाओं में कार्यरत होते हैं? यदि उपलब्ध हो तो औसत वेतन की जानकारी भी साझा करें।**

पाठ्यक्रम पूरा करने वाले स्नातक एवं **स्नातकोत्तर** विद्यार्थियों के लिए **100% प्लेसमेंट** होता है। विद्यार्थीगण मुख्यतः संस्थानों, अस्पतालों, विद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, तथा स्वरोजगार जैसे क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करते हैं।

**17. क्या संस्थान के पूर्व छात्र मेंटरिंग, भर्ती या आउटरीच पहलों में शामिल होते हैं?**

संस्थान के पूर्व छात्र सक्रिय रूप से मेंटरिंग और कॉक्लिअर इंप्लांट प्राप्त बच्चों के लिए सर्जरी के बाद पुनर्वास सेवाओं का समर्थन करने के साथ-साथ भर्ती गतिविधियों में भी भाग लेते हैं।

## अवसंरचना और सुविधाएं

**18. परिसर में कौन-कौन सी प्रमुख सुविधाएं उपलब्ध हैं जैसे कि प्रयोगशालाएं, श्रवण विज्ञान क्लीनिक, वाक् चिकित्सा इकाइयां, पुस्तकालय, छात्रावास, और खेल सुविधाएं?**

संस्थान में उपरोक्त सभी सुविधाएँ छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

**19. क्या हाल ही में या निकट भविष्य में कोई अवसंरचनात्मक उन्नयन हो रहा है, जैसे डिजिटल क्लासरूम, स्मार्ट लैब्स, या दिव्यांगजनों के लिए सुलभ भवन?**

कक्षाएं डिजिटलाइज्ड की जा चुकी हैं और संस्थान दिव्यांगजनों के लिए पूरी तरह सुलभ है। हाल ही में वेस्टिबुलर मूल्यांकन और पुनर्वास इकाई जोड़ी गई है।

**20. विद्यार्थियों और संवाद बाधित लाभार्थियों के लिए कौन-कौन सी आईटी-समर्थित सेवाएं या ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध हैं?**

संस्थान में संवाद बाधित व्यक्तियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए टेलीथेरेपी की सुविधा उपलब्ध है। संस्थान के मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों दोनों के लिए 18 मल्टी-साइट ऑनलाइन ई-जर्नल्स की सदस्यता लेता है, साथ ही 155 ओपन-एक्सेस जर्नल्स भी उपलब्ध हैं, जिससे भौतिक संग्रहण स्थान की आवश्यकता कम होती है और लागत में बचत होती है। स्टाफ और विद्यार्थियों को इंटरनेट एक्सेस प्रदान किया जाता है, जिससे वे ए वायजेएनआईएसएचडी के डिजिटल पुस्तकालय और लाइब्रेरी द्वारा प्रदान किए गए ई-रिसोर्सेज़ (N-LIST) का उपयोग कर सकते हैं। संस्थान "वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन" योजना पर भी पंजीकृत है।

# ALI YAVAR JUNG NATIONAL INSTITUTE OF SPEECH & HEARING DISABILITIES (DIVYANGJAN)

**(An Autonomous Organization under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)**

**Kishanchand Marg, Bandra Reclamation**
**Bandra (West), Mumbai 400 050**

## I. About the Institute

The Ali Yavar Jung National Institute of Speech and Hearing Disabilities (Divyangjan) (AYJNISHD), Mumbai, was established on 9th August 1983 as an autonomous organization under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, New Delhi. Located in Bandra (West), Mumbai, the Institute has established Regional Centers (RCs) in Kolkata (1984), Noida (1986), Secunderabad (1986), and Janla, Odisha (1986). Currently, the Composite Regional Centers for Skill Development, Rehabilitation, and Employment of Persons with Disabilities (PWDs) (CRCs) in Ahmedabad, Nagpur, and Chhatarpur have been operating under the administrative control of AYJNISHD(D) since 2011, 2020, and 2023, respectively. The Institute also operated an Extension Counter in Goa, which has now become a CRC. These centers are dedicated to addressing the local and regional needs of individuals with various disabilities across all age groups.

## II. Aim & Objectives

- To conduct, sponsor, coordinate and subsidise research into all aspects of the education and rehabilitation of the persons with hearing impairment.
- To undertake, sponsor, coordinate or subsidize research into bio-medical engineering leading to the effective evaluation of aids or suitable surgical or medical procedure or the development of new aids.
- To undertake or sponsor the training of trainees and teachers, employment officers, psychologists, vocational counsellors and such other personnel as

may be deemed necessary by the Institute for promoting education, training and rehabilitation of the persons with hearing impairment.

- To distribute or promote or subsidize the manufacture of prototypes and distribution of any or all aids designed to promote any aspects of the education, rehabilitation and therapy for persons with hearing impairment.

## III. Major Activities

(i) Human resource Development, (ii) Research, (iii) Clinical and Therapeutic Services, (iv) Outreach and Extension Service, (v) Socio Economic Rehabilitation Services, (vi) Material Development, (vii) Information, Documentation and Dissemination of Information.

### (i)Human Resource Development

AYJNISHD(D), Mumbai along with its Regional Centres at Kolkata, Secunderabad, Noida and Janla, Odisha conducts Doctoral, Postgraduate, Graduate, Undergraduate, post graduate Diploma, Diploma and certificate level courses for generating the required human resource for offering rehabilitation services to Divyangjan. The human resource development programme in the field of rehabilitation of Divyangjan are recognized by the Rehabilitation Council of India, New Delhi and affiliated with respective Universities.

### (a)Long Term Training Programmes

### Courses Offered at HQ-Mumbai

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Ph.D. (Sp & Hg.) | 3 years | 06 |
| 02 | Ph.D. (Spl. Edu.) | 3 years | 20 |
| 03 | Master of Science (Audiology) | 2 Years | 12 |
| 04 | Master of Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Years | 23 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 05 | Bachelor of Audiology and Speech-Language Pathology | 4 Years | 43 |
| 06 | Bachelor of Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Year | 30 |
| 07 | Post Graduate Diploma in Auditory Verbal Therapy | 1 Year | 20 |
| 08 | Diploma in Indian Sign Language Interpretation | 2 Years | 30 |
| 09 | Diploma in Teaching India Sign Language | 2 Years | 30 |
| 10 | Certificate course in computer application | 1 year | 20 |

**Courses at RC, Kolkata**

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Master of Science Speech-Language Pathology | 2 Years | 15 |
| 02 | Bachelor of Audiology and Speech- Language Pathology | 4 Years | 31 |
| 03 | Bachelor of Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Years | 23 |
| 04 | Bachelor of Education - Special Education – Distance Education (HI) | 2.5 Years | 40 |
| 05 | Diploma in Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Years | 35 |
| 06 | Diploma in Indian Sign Language Interpretation | 2 Years | 15 |
| 07 | Diploma in Teaching Indian Sign Language | 2 Years | 20 |
| 07 | Diploma in Computer Application | 1 Year | 20 |
| 08 | PhD in Audiology and Speech Language Pathology | 3 Years | 06 |

## Courses at RC, Secunderabad

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Master of Science (Audiology) | 2 Years | 12 |
| 02 | Bachelor of Audiology and Speech-Language Pathology | 4 Years | 31 |
| 03 | Bachelor of Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Years | 30 |
| 04 | Diploma in Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Years | 35 |
| 05 | Diploma in Teaching Indian Sign Language | 2 Years | 20 |

## Courses at RC, Noida

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Bachelor of Audiology, Speech-Language Pathology | 4 Years | 25 |
| 02 | Diploma in Education Special Education (Hearing Impairment) | 2 Years | 38 |
| 03 | Certificate Course in Computer Application for Persons with Hearing Impairment | 1 Year | 20 |

## Courses at RC, Janla, Odisha

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Diploma in Education Special Education (HI) | 2 Years | 36 |
| 02 | Diploma in Hearing, Language and Speech | 1 Year | 30 |
| 03 | Bachelor of Education – Special Education (Hearing Impairment) | 2 Year | 30 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 04 | Diploma in Indian Sign Language Interpretation | 2 Years | 30 |
| 05 | Diploma in Teaching Indian Sign Language | 2 Years | 30 |

**Courses at CRC, Ahmedabad**

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Diploma in Education Special Education (Intellectual and Developmental Disabilities) | 2 Years | 31 |
| 02 | Diploma in Teaching Indian Sign Language | 2 Years | 30 |
| 03 | Bachelor of Education Special Education (Intellectual and Developmental Disabilities) | 2 Years | 31 |
| 04 | Bachelor of Audiology and Speech Language Pathology | 4 Years | 20 |

**Courses at CRC, Goa**

| S.No. | Name of course | Duration | Sanctioned intake |
|---|---|---|---|
| 01 | Diploma in Teaching Indian Sign Language | 2 Years | 20 |

## (b) Short Term Training Programmes

In addition to the Long Term Training Programmes, the Institute also conducts Short Term Training Programmes for the professionals in the area of disability rehabilitation, academic personnel, general publics, parents of hearing impaired children, media professionals, GOs & NGOs., etc. The details of long term and short term training programmes provided during last five years is given below

| SN | Year | Long Term Training Programmes | | Short Term Training Programmes | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | No. of Programmes | No. of Students Enrolled | No. of Programmes | No. of Beneficiaries |
| 1 | 2020-2021 | 26 | 411 | 173 | 115188 |
| 2 | 2021-2022 | 25 | 379 | 147 | 13494 |
| 3 | 2022-2023 | 25 | 386 | 101 | 10938 |
| 4 | 2023-2024 | 25 | 427 | 110 | 7283 |
| 5 | 2024-2025 | 30 | 480 | 141 | 14711 |

**(c)Facilitating Scholarships to students**

AYJNISHD(D) plays a pivotal role in facilitating scholarships for SC/ST and PwD students to support their education and empowerment. In the 2024-2025 academic year, the institute provided support to eligible students through various scholarships:

a) AYJNISHD Scholarship for SC and ST students: 20 beneficiaries
b) PM Yasasvi Central Sector Scheme of Top Class Education for OBC, EBC, and DNT students: 7 beneficiaries
c) Scholarship for Higher Education for ST students (Top Class Education for ST): 6 beneficiaries
d) Maha-DBT Scholarship: 3 beneficiaries
e) Scholarship for Top Class Education for Students with Disabilities: 1 beneficiary
f) Vidhyadaan Sahayak Mandal Scholarship: 2 beneficiaries

**(ii). Research Projects**

AYJNISHD(D) has been deeply engaged in research to advance the fields of Speech & Hearing and Education for Divyangjan. Over the years, the Institute has

undertaken numerous research projects that have led to the development of various assistive devices, including CROS hearing aids and noise level indicators. Additionally, it has created curricula such as the CDEIC Curricular Framework (2022) and AVT Therapy Curriculum, along with accessible audiovisual materials. The Institute has also developed diagnostic tools like GAEL-P, LPT, PAT, TSR, and TASC, contributing significantly to the field.

During 2024-25, the ongoing projects include the adaptation of the Apraxia Battery for Adults in Hindi and Telugu (led by Dr. Gauri Shanker Patil), and the performance appraisal of speech, language, and hearing skills in children with cochlear implants under the ADIP Scheme (Dr. Patil and Shri B. Srinivasa Rao). Completed projects include the development of a Communication Linguistic Assessment Protocol in Bangla for Right Hemisphere Disorders (Dr. Suman Kumar) and the impact assessment tool for patients with cleft lip and palate using ICF (Dr. Sujoy Kumar Makar). These projects aim to develop diagnostic tools, assess interventions, and enhance treatment strategies for individuals with speech and hearing impairments.

The Institute has launched a new initiative, "Research Projects with Zero Budget," aimed at promoting research using the institute's available resources without any financial allocation. During 2024-25, the institute approved 7 research projects under this initiative.

### (iii) Clinical & Therapeutic Services

The Institute provides comprehensive diagnostic, therapeutic, educational and vocational services to persons with speech and/or hearing disabilities. As a training and research Institute, the services are rendered in the best possible way to meet the needs of both rural as well as urban clients. An interdisciplinary team of Audiologists, Speech-Language Pathologists, Special Educators, Psychologists, Social Workers, Vocational Counsellors, ENT Specialists, Paediatricians and Neurologists follow a team approach to offer rehabilitation services like:

- Evaluation and diagnosis of hearing, speech and language impairment
- Issue of UDID cards
- Selection and fitting of hearing aids and ear molds

- Psychological evaluation
- Educational evaluation services
- Psychotherapy and behavior therapy
- Parent guidance and counseling
- Early Intervention and school readiness programmes
- Cross disability early intervention and school readiness programme
- Continual education through NIOS
- Outreach and extension services
- Parent Empowerment Programme
- Vocational Guidance, training & placement
- Speech & language therapy
- Cochlear Implant Support
- Toll free Disability Information Line
- Vestibular Assessment and Rehabilitation

**(a) Details of services provided is given below**

| **Services** | **2020-21** | **2021-22** | **2022-23** | **2023-24** | **2024-25** |
|---|---|---|---|---|---|
| New Cases Served | 20880 | 33752 | 32793 | 29285 | 31653 |
| Follow up Cases Served | 33862 | 57141 | 84028 | 90353 | 91879 |
| Support Services Provided | 171062 | 340616 | 374286 | 404763 | 463013 |
| **TOTAL** | **225804** | **431509** | **491107** | **524401** | **586545** |
| No. of ADIP Beneficiaries | 6933 | 10364 | 8936 | 5109 | 5648 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| No. of Hg. Aids Distributed | 11205 | 15694 | 14186 | 8355 | 8768 |
| Cochlear Implant Surgeries done | 676 | 702 | 1145 | 1444 | 042 |

## (b)Implementation of Govt. schemes

### 1. Cross Disability Early Identification Cum Intervention and Preparatory School (CDEIC)

CDEIC of AYJNISHD (D) is one of the flagship service delivery models for cross disability early identification and intervention of children with disabilities in the country. The accessible and well equipped CDEIC, Mumbai established in 2021 makes the centre a unique rehabilitation model. The CDEIC, Mumbai offers diagnostic, intervention and school readiness services to children with disabilities and also offers parent empowerment support. During the year 2024-25 total number of 140 new cases, 5056 follow up cases and 143268 support services were provided at HQ, Mumbai. The dedicated professionals working at the centre is offering quality services and is creating awareness about CDEIC and its potential benefits amongst various stakeholders. The well-equipped centre is first of its kind in the state of Maharashtra and is looking forward to reach the unreached children with disabilities and their families in the coming years through the support under SIPDA scheme.

### 2. ADIP

The main objective of the Scheme is to assist needy persons with disabilities in procuring durable, sophisticated and scientifically manufactured, modern, standard aids and appliances that can promote their physical, social and psychological rehabilitation, by reducing the effects of disabilities and enhancing their economic potential. Under this scheme the Institute and its regional centers distribute hearing aids at its centers and also through camps as a part of outreach and extension service activity. The details of the beneficiaries and the services provided is in the above-mentioned table.

## 3. ADIP-COCHLEAR IMPLANT

AYJNISHD(D), Mumbai is the Nodal Agency for implementing Cochlear Implant (CI) surgeries and post-operative rehabilitation for children with hearing impairment under the revised ADIP scheme guidelines. A Cochlear Implant is a surgical procedure in which a receiver-stimulator and fine electrodes are implanted into the skull and cochlea by experienced ENT surgeons. After surgery and device activation, it is essential for children to undergo speech and language therapy from trained professionals such as Speech-Language Pathologists, Special Educators, or Auditory-Verbal Therapists to develop normal speech and language. This advanced technology dispels the misconception that individuals who are deaf cannot speak, enabling children with hearing loss to communicate effectively. At present 152 hospitals are empaneled and 982 rehabilitation professionals are associated to support the children with cochlear implants. The details of the CI surgeries conducted is documented in the above mentioned table.

### (iv) Outreach & Extension Services

The objective of AYJNISHD(D)'s outreach and extension services is to provide rehabilitation support to persons with hearing impairment, particularly in rural and underserved areas. These services focus on early identification, assessment, intervention, awareness generation, and capacity building through training. Key activities include signing MoUs with various government and non-government organizations to enhance awareness and training efforts; supporting organizations by providing Indian Sign Language (ISL) interpreters; sharing the expertise of the Institute’s faculty and staff; and actively contributing to national and international workshops, seminars, and webinars to promote inclusive practices and knowledge exchange.

### (v) Socio Economic Rehabilitation Services

AYJNISHD(D)'s Socio-Economic Rehabilitation Services aim to empower persons with hearing impairment by enhancing their vocational skills, employability, and economic independence. This includes skill development training, job placement support, career counseling, and facilitating linkages with government schemes,

employers, and financial institutions to promote inclusive livelihood opportunities. The department facilitates issue of railway concessions, driving license to eligible divyangjan. Implementing various skill training programmes under PM DAKSH is also a major activity.

In 2024–25, AYJNISHD(D) implemented several initiatives to promote skill development and employment for Persons with Disabilities (PwDs). The first batch of the Free Coaching Scheme for RRB/SSC exams enrolled 17 PwD students (16 with hearing impairment and 1 with low vision) and ran from June to December 2024. A Data Entry Operator course under the PM DAKSH scheme was conducted from February to August 2024, followed by the launch of the PM DAKSH Employability Skills Program in August, enrolling 10 children with hearing impairments. The Divyangjan Rojgar Mela, held from 12th to 14th August in Kalyan, Thane, registered 118 candidates with speech, hearing, and locomotor disabilities, with 47 hired by Amazon. A Financial Literacy Conclave was organized on 18th November in collaboration with the National Centre for Financial Education and India Signing Hands, benefiting 50 hearing-impaired participants. Additionally, the Deaf Livelihood Fair 2025 was held on 22nd February in Mumbai in partnership with MSU Baroda, connecting 200 deaf job seekers with employers, resulting in 61 placements, primarily by Amazon.

### (vi) Material Development

The objective of material development at AYJNISHD(D) is to create accessible, inclusive, and context-specific resources that support the education, rehabilitation, and empowerment of persons with hearing impairment. This includes developing teaching-learning materials for educators and parents, promoting Indian Sign Language through visual content, creating diagnostic and therapeutic tools, and producing user-friendly digital and print materials to enhance awareness, communication, and capacity building across diverse user groups.

In 2024–25, AYJNISHD(D) developed a range of accessible materials to support education and rehabilitation for persons with hearing impairment. This included digitized D.Ed. and B.Ed. content on the institute's YouTube channel, functional communication training materials in Indian Sign Language for parents and teachers, and updated resources for the Auditory-Verbal Therapy (AVT) curriculum.

### (vii) Information, Documentation and Dissemination of Information

The objective of Information, Documentation, and Dissemination at AYJNISHD(D) is to gather, organize, and share knowledge pertaining to the education, rehabilitation, and empowerment of persons with hearing impairment. This is achieved through the Institute's computer center and library, which serve as key resources for fulfilling this objective.

**(a) Computer Center:** The Computer Center at AYJNISHD(D) supports the institute's digital needs by developing software for various activities, recommending suitable ready-made software, and ensuring the proper functioning of hardware and internet services. It also provides staff training and assists with data processing. The institute utilizes software for clinical services, library management (SOUL), financial systems (Tally-ERP, eTDS, eProcurement), payroll, and result preparation for RCI courses. Additionally, AYJNISHD(D) maintains accessible websites—ayjnihh.nic.in, offering comprehensive information on speech and hearing impairments, and adipcochlearimplant.in, supporting Cochlear Implant Services. The center also facilitates the implementation of e-office systems at the institute and its CRCs.

**(b) Library:** The centrally air-conditioned library at AYJNISHD(D) accommodates up to sixty students and houses a collection of 18,015 reading materials, including 2,032 Hindi books and 1,385 bound volumes of journals. The Institute subscribes to 18 multi-site online e-journals for both HQ and regional centers, along with 155 open-access journals, reducing the need for physical storage space and lowering costs. Internet access is provided to staff and students, enabling them to access the Digital Library of AYJNISHD(D) and e-resources (N-LIST) offered by the library.

## (IV) National Disability Information Helpline Service (NDIHS)

The Disability Information Line (DIL) at AYJNISHD(D) has been upgraded from a server-based system with a 10-digit toll-free number to India's first cloud-based National Disability Information Helpline Service (NDIHS), featuring a 5-digit number, '14456'. This advanced, 24/7 service offers comprehensive information on 21 types of disabilities and is now more accessible through the simplified helpline

number. NDIHS provides reliable details on causes, prevention, diagnosis, treatment, aids and appliances, education, employment, service providers, government schemes, and concessions. To improve accessibility and address regional needs, NDIHS servers are strategically placed across India, offering state-specific information and local language support. The service is available round the clock, with dedicated call attendants during working hours to assist callers. In 2024-25, NDIHS received 90,236 calls.

## (V) CSR Support to the Institute

CSR support to AYJNISHD(D) has been crucial in advancing its initiatives for the rehabilitation, education, and empowerment of persons with hearing & speech disabilities. Over the years, the institute has received CSR support from various agencies like Kotak Bank, SBI foundation, Mazagaon Ship Builders etc to establish the CDEIC, facilitate cochlear implant surgeries, enhance post-operative rehabilitation services for cochlear implant recipients under the ADIP scheme, and support the pursuit of the PGDAVT program. AYJNISHD(D) has received and Utilized a CSR grant of Rs.2,74,00000/- from Kotak Securities Limited for 294 ADIP -CI Beneficiaries for repair, replacement and purchase of new accessories and Speech Processors during 2024-25. Additionally, CDEIC has been awarded a CSR grant of ₹1,29,97,582/- by the General Insurance Corporation of India (GIC Re) for the financial year 2025–26, which will fund the establishment of a sensory park, virtual reality room, and music therapy room. Furthermore, the institute is set to receive a CSR-funded Therapy Bus, along with 23 staff members and three years of maintenance support from the Hans Foundation for CRC-Ahmedabad.

## (VI) Research Projects

AYJNISHD(D) has been actively involved in research to advance the fields of Speech & Hearing and Education for Divyangjan. Ongoing projects include the adaptation of the Apraxia Battery for Adults in Hindi and Telugu (led by Dr. Gauri Shanker Patil), and the performance appraisal of speech, language, and hearing skills in children with cochlear implants under the ADIP Scheme (Dr. Patil and Shri B. Srinivasa Rao). Completed projects include the development of a Communication Linguistic Assessment Protocol in Bangla for Right Hemisphere Disorders (Dr. Suman Kumar) and the impact assessment tool for patients with cleft lip and palate

using ICF (Dr. Sujoy Kumar Makar). These projects aim to develop diagnostic tools, assess interventions, and enhance treatment strategies for individuals with speech and hearing impairments.

The Institute has launched a new initiative, 'Research Projects with Zero Budget', aimed at promoting research using the institute's available resources without any financial allocation. During 2024-25, the institute approved 7 research projects under this initiative.

## (VII) Staff Strength

Institute has got the approval of 214 posts at the time of establishment. Staff Inspection Unit, Dept. of Expenditure conducted inspection in 2016 and have recommended for abolishing 36 posts and creation of 25 new posts. In due course of time, the Institute has surrendered 7 posts for matching saving. New posts are yet to be created.

Currently, there are 173 (Group-A:33 Group-B:58 Group-C: 82) sanctioned posts at the Institute including its RCs out of which 98 posts (Group-A:24 Group-B:37 Group-C: 37) are operational on regular basis and 33 on outsourced basis (Group-A: 0 Group-B: 1 Group-C: 32). During 2024-25, 11 regular posts were filled.

## (VIII) Grant in Aid Received

AYJNISHD is receiving financial support from the Department of Persons with Disabilities for both recurring and non-recurring expenditure. The details of the Grant-in-Aid received and utilized for the last five financial years are as under:-

(Rs. in Lakh)

| Financial Year | GIA General Received | Expenditure | GIA Capital Assets Received | Expenditure |
|---|---|---|---|---|
| 2019-20 | 3471.46 | 3736.45 | 100.00 | 23.20 |
| 2020-21 | 3180.98 | 3411.56 | 136.89 | 78.03 |
| 2021-22 | 3521.00 | 3719.22 | 34.00 | 142.86 |
| 2022-23 | 3586.49 | 3841.72 | 38.96 | 39.78 |
| 2023-24 | 4059.93 | 4064.40 | 385.94 | 378.47 |
| 2024-25 (Tentative) | 3859.00 | 3735.39 | 1044.05 | 771.89 |

## (IX) Awards & Recognitions of AYJNISHD (D)

AYJNISHD(D) has received several awards and recognitions over the years for its significant contributions to the field of disability rehabilitation, particularly in the area of speech and hearing. The institute has been acknowledged at national and state levels for its excellence in service delivery, research, skill development, and inclusive education initiatives. These accolades reflect AYJNISHD(D)'s commitment to empowering persons with disabilities and promoting accessibility and inclusion across sectors. The major recognitions are mentioned below:

- Declared as a Science & Technology Institution by the Ministry of Science and Technology, Govt. of India in September, 1988.
- National Award for the Welfare of the Handicapped in 1995-96.
- The modified CROS hearing aid got National Technology Award in 2002.
- Received National Award 2002 for providing Barrier Free Township: A model Community Based Rehabilitation launched through the Badlapur Town Panchayat in Dist. Thane.
- The Institute rated Excellent in Manpower Development and Training by the Rehabilitation Council of India in 2003.
- 'Indira Gandhi Rajbhasha Award in 'B' region conferred for the year 2006-07 for outstanding performance in Hindi language usage.
- Manthan Award South Asia 2009 for E-Inclusion by Ministry of Communication and Information Technology. The award was given for 'Online Hearing Screening' (checkhearing.nic.in) a web based digital product of AYJNISHD (D).
- National Award for the Empowerment of Persons with Disabilities, 2010. The National Award was given under the category of **Best Accessible Website** among Public Sector/Autonomous/Local Govt. Bodies for its website – ayjnihh.nic.in
- Special Mention award at the 8th International 'We Care Filmfest' 2011.
- National Award for Universal Design 'NCPEDP-MPHASIS Universal Design Award 2011'
- '60 Seconds to Fame' Award at the 4$^{th}$ India International film festival 'Ability Fest-2011' for the 'National Anthem in Hindi with Indian Sign Language' made by AYJNISHD on the theme of 'breaking the barriers'
- Dr. Varsha Gathoo received Best Teacher Award from University of Mumbai in 2013.

- Guinness World Record (GWR) for fitting of 600 hearing aids for persons with hearing disability within eight hours in the same location in 2016.
- Received Certificate of Appreciation for Excellence in services for persons with speech and hearing disabilities at the International Deaf Sumit, Goa in 2019
- Cochlear Implantation scheme of the Institute under ADIP scheme was shortlisted (one amongst 12 of the total 958) for Prime Ministers Excellence Award 2020 under Innovation general category.
- First National Institute recognized by the State government for the excellent services to Divyangjan during COVID 19 pandemic in 2020.
- Received letter of appreciation from Hon'ble Minister of State, MSJE for setting up Model CDEIC at AYJNISHD(D), Mumbai in 2021.
- Received letter of appreciation from Secretary, DEPWD, MSJE, GoI for AYJ's contribution at the Divyakala Shakti, New Delhi 2022.
- First National Institute recognized by NMC to issue hearing disability certificate for admission in UG/ Broad Specialty PG Courses 2022.
- Received Certificate of Honour for Outstanding Contribution to Speech Therapy by ABP Swasthya Samman 2024.

**********

# SUMMARY OF ACTIVITIES AND SERVICES OF AYJNISHD(D) FOR 2024-25

Ali Yavar Jung National Institute of Speech and Hearing Disabilities (Divyangjan), Mumbai (AYJNISHD(D)), a Society registered under the Societies Registration Act, 1860 (Act XXX of 1860) was established on 9th August 1983. It is an autonomous organization under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, New Delhi. The summary of the significant activities and achievements of AYJNISHD(D), its Regional Centres (RCs) and Composite Regional Centres for Skill Development, Rehabilitation and Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan) (CRCs) for the year 2024-25 is given below.

- The institute and its RCs served 31653 new clients and 91879 follow up clients at its clinics and through outreach and extension services. The support services offered to the new and follow up clients were 463013.

- The institute and its RCs distributed 8768 aids and appliances to 5648 beneficiaries. The institute held 58 camps under ADIP scheme during the year 2024-25.

- 42 children with hearing disability have been benefited with Cochlear Implantation during the year 2024-25. Total 151 hospitals are empaneled for Cochlear Implant surgeries across the country.

- During the reporting year, Cross Disability Early Identification and Intervention Centre (CDEIC) served 139 children with hearing impairment, intellectual disability, autism spectrum disability, low vision, multiple disability & cerebral palsy and 142863 support services were provided.

- Government of Maharashtra approved AYJNISHD(D), Mumbai to issue hearing disability certificate from August, 2016. During the reporting year, ??? persons were issued hearing disability certificates.

- The institute started Niramaya Health Insurance Scheme – Help Desk/Enrolment Centre during the year 2024-25. Total 46 Persons with Disabilities enrolled in the scheme.

- Under the long term training programmes, the institute and its RCs enrolled 480 candidates in various courses and under the short term training programmes/webinars, the institute conducted 141 programmes for 14711 beneficiaries.

- Skill Training for PwDs - Data Entry Operator Course for Divyangan was inaugurated on 15th February, 2024 at HQ, Mumbai. Total 16 PwDs are registered through PM – Daksh DEPwD Portal for this course. This course is of five months duration and certificate will be provided by Skill Council for PwDs.

- The institute has Disability Information Line (DIL) which was upgraded from a server-based system with a 10-digit toll-free number to India's first cloud-based National Disability Information Helpline (NDIHS) with a 5-digit number, '14456'. This advanced 24/7 Interactive Voice Response System (IVRS) offers comprehensive information on 21 types of disabilities. During the reporting year, NDIHS received a total of 90236 calls.

- The centrally Air-conditioned library of AYJNISHD(D), Mumbai added several national and international books and journals to its collection. It has 18015 reading material including 2032 Hindi books, 1385 bound issues of back volumes of journals.

- On 8th May 2024, a significant milestone in the empowerment of Persons with Disabilities (PwDs) was achieved with the establishment of the first Extension Counter AYJNISHD(D) at the Goa University campus, Talegaon. The Extension Counter, situated in the premises of Goa University, is developed in collaboration with Goa University and the Office of the State Commissioner for Persons with Disabilities, signifies a unified effort to enhance accessibility and promote inclusivity for PwDs in the state. The center is now converted into Composite Regional Centre (CRC) for Skill Development, Rehabilitation & Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan).

- During the reporting year two year Diploma in Teaching Indian Sign Language (DTISL) course, recognized by Rehabilitation Council of India was stared at HQ, Mumbai, RC, Kolkata, RC, Secunderabad, RC, Janla and at the Extension Counter in Goa. Additionally, the Diploma in Indian Sign Language Interpretation course, also recognized by the Rehabilitation Council of India, was introduced at RC, Janla.

- The institute implemented the first batch of Free Coaching Scheme for PwDs for Railway Recruitment Board Exams and Staff Selection Commission Examination (RRB/SSC). Total 17 PwD students (16 HI and 1 Low Vision) were enrolled for the course which was started in June and completed in December, 2024.

- The institute has also initiated Data Entry Operator course under PM DAKSH from February, 2024 and completed in August, 2024.

- Divyangjan Rojgar Mela (Job Fair) for Persons with Disabilities was held from 12th to 14th August 2024 in Kalyan, Dist. Thane. This event, organized in collaboration with Amazon, focused on individuals with speech and hearing disabilities as well as locomotor disabilities (40% to 45% disability). AYJNISHD(D), Mumbai, facilitated the fair in partnership with the Kalyan Dombivli Municipal Corporation. A total of 118 candidates with disabilities registered for the event, and 47 individuals were selected by Amazon for Warehouse Associate positions at their Bhiwandi and Padgha locations.

- The PM DAKSH Employability Skills Program for persons with disabilities (PwDs) was launched at the institute in August, 2024, with 10 children with hearing impairments enrolled in the course.

- The institute, in collaboration with the National Centre for Financial Education and India Signing Hands, organized a Financial Literacy Conclave for persons with hearing impairment on November 18, 2024, in Mumbai. The event benefited 50 persons with hearing impairment. Officials from RBI, SEBI and PRDA delivered talk on financial investment, precatuions and accessibility.

- AYJNISHD, in collaboration with The Maharaja Sayajirao University of Baroda (MSU Baroda), successfully hosted the 'Deaf Livelihood Fair 2025' on 22nd February, 2025 in Mumbai, coinciding with the 'World Day of Social Justice-2025.' This inclusive event, supported by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities, provided a platform for deaf job seekers to connect with employers, explore business opportunities, and enhance AI skills. The fair featured Indian Sign Language interpreters for seamless communication, attracting diverse employers such as Amazon, Tech Mahindra Foundation, and Big Basket. Around 200 deaf job seekers participated, with 61 securing jobs, the majority of which were offered by Amazon. The event emphasized the importance of fostering workplace diversity and inclusion, leaving a lasting impact on all involved.

- AYJNISHD(D) is receiving a CSR-funded Therapy Bus, along with 23 Human Resources staff members and maintenance support for three years.

- CDEIC, AYJNISHD(D) has received a CSR grant of ₹1,29,97,582/- (2025-26) from General Insurance Corporation of India (GIC Re) for establishing a sensory park, virtual reality room, and Music therapy room

- AYJNISHD(D) has received and Utilized a CSR grant of Rs.75,00,000/- from Kotal Securities Limited for 25 ADIP -CI Benficiaries in FY.2024-25.

- AYJNISHD(D) conducted several programs under its "100 Days Programme," including:

  a) A National Seminar on "Shaping Future Education: Improving and Innovating Teacher Education."
  b) D.Ed and B.Ed content was made accessible and uploaded on AYJNISHD's YouTube channel.
  c) 50 parents from three special schools were trained in functional communication skills and basic digital literacy in Indian Sign Language.
  d) 50 SSA teachers received training in functional communication using Indian Sign Language.
  e) New PM Daksh Skill Training batches were held, offering Basic Indian Sign Language Communication Workshops for private employers.

- On December 3rd, 2024, AYJNISHD(D) celebrated the International Day of Persons with Disabilities with a series of events. B.Ed and M.Ed students organized a "Nukkad Natak" (street play) at Policy Station, Bandra, attended by 35 members of the public. The play was written and directed by Dr. Asavari Shinde. Additionally, a painting competition was held in collaboration with Rotary Sanskardham Academy, Goregaon West, with 27 students participating across two groups (5th-8th and 9th-12th grades). The event was coordinated by Mr. Swanandkumar Pandhre and Ms. Arti Umrotkar. A felicitation program was organized for employees with disabilities at AYJNISHD(D), with chief guest Shri. Adv. Ashish Shelar, MLA, and guest speaker Mr. Zamir Dhale, Founder of the Society for Empowerment of Deaf-Blind. Finally, CDEIC hosted a Sports Day for Children with Disabilities, with 88 participants.

- AYJNISHD(D) signed MoUs with seven organizations working for the persons with disabilities, aiming to conduct CRE programs for professionals and skill development initiatives for persons with disabilities.

- One of the post graduate merit student under PM YASASVI scholarship beneficiary was selected as a Special Guest for Republic Day Parade, 2025 at Kartavya Path, New Delhi.

- In the year of 2024-2025, Institute was able to support the eligible students towards various scholarships, that is:

    a) AYJNISHD Scholarship for SC and ST students: 20 beneficiaries

    b) PM Yasasvi Central sector Scheme of Top Class Education for OBC, EBC, and DNT students: 07 beneficiaries

    c) Scholarship for Higher Education for ST students (Top class education for ST): 06 beneficiaries

    d) Maha-DBT Scholarship: 03 beneficiaries

    e) Scholarship for Top class education for the students with disabilities: 01 beneficiaries

    f) Vidhyadaan Sahayak Mandal Scholarship: 02 beneficiaries

**Visit to Ali Yavar Jung National Institute of Speech and Hearing Disabilities (Divyangjan) [AYJNISHD(D)] to see the functioning of the Institute and briefing by the representatives of the Institute and the and Ministry of Social Justice and Empowerment (Department of Empowerment of Persons with Disabilities) on the working of the Institute.**

## INSTITUTIONAL MISSION AND STRUCTURE

1. **What are the core objectives and mission of AYJNISHD(D) in promoting the welfare and inclusion of persons with speech and hearing disabilities?**

   Ali Yavar Jung National Institute of Speech and Hearing Disabilities (Divyangjan) (AYJNISHD), Mumbai, was established on 9th August 1983 as an autonomous organization under the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, New Delhi. Located in Bandra (West), Mumbai, the Institute has established Regional Centers (RCs) in Kolkata (1984), Noida (1986), Secunderabad (1986), and Janla, Odisha (1986). Currently, the Composite Regional Centers for Skill Development, Rehabilitation, and Employment of Persons with Disabilities (PWDs) (CRCs) in Ahmedabad, Nagpur, and Chhatarpur have been operating under the administrative control of AYJNISHD(D) since 2011, 2020, and 2023, respectively. The Institute also operated an Extension Counter in Goa, which has now become a CRC. These centers are dedicated to addressing the local and regional needs of individuals with various disabilities across all age groups. Following are the core objectives of the Institute.

- To conduct, sponsor, coordinate and subsidize research into all aspects of the education and rehabilitation of the persons with hearing impairment.
- To undertake, sponsor, coordinate or subsidize research into bio-medical engineering leading to the effective evaluation of aids or suitable surgical or medical procedure or the development of new aids.
- To undertake or sponsor the training of trainees and teachers, employment officers, psychologists, vocational counsellors and such other personnel as may be deemed necessary by the Institute for promoting education, training and rehabilitation of the persons with hearing impairment.
- To distribute or promote or subsidize the manufacture of prototypes and distribution of any or all aids designed to promote any aspects of the education, rehabilitation and therapy for persons with hearing impairment.

2. **What is the organizational structure of the Institute, and how are its main and regional centres integrated in delivering services and programs?**

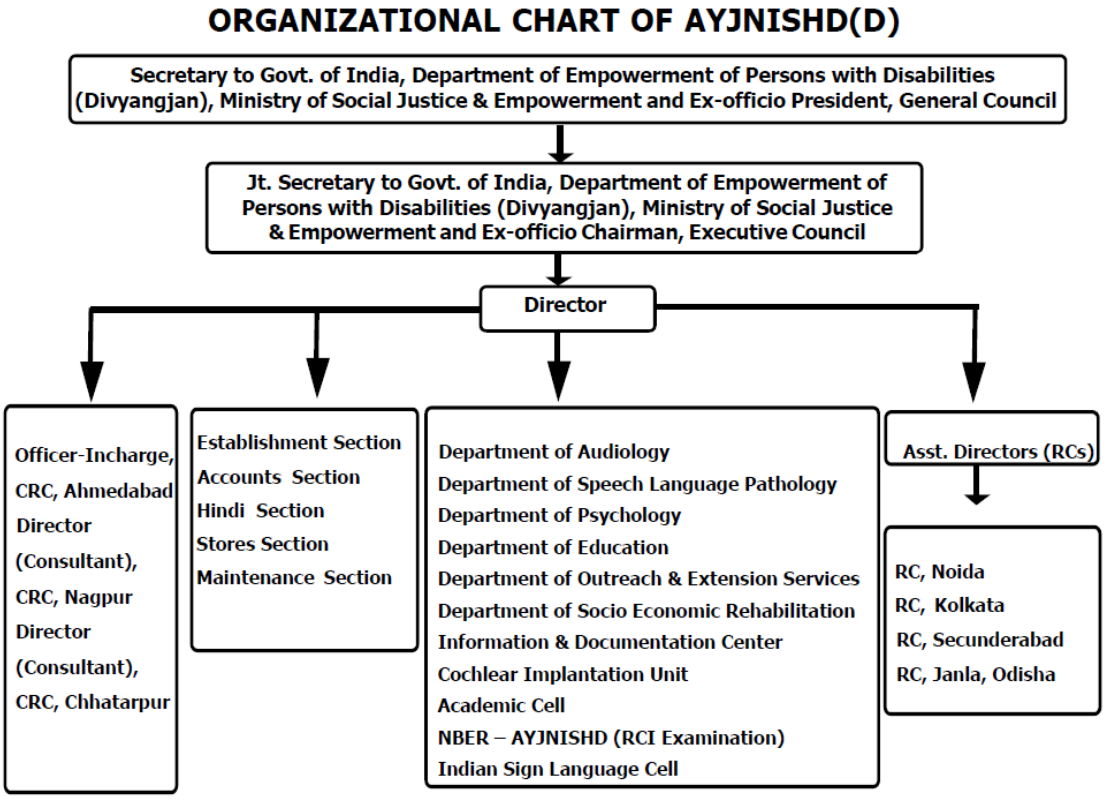


## ACADEMIC AND TRAINING PROGRAMS

3. **What undergraduate, postgraduate, diploma, and certificate programs are currently offered? Please specify the eligibility criteria and duration for each &**
4. **What is the annual intake capacity for each course, and how is the admission process conducted (e.g., entrance exam, merit-based)?**

| S.No. | Course | Intake | Duration | Eligibility | Admission process |
|---|---|---|---|---|---|
| 01. | M.Sc. (Audiology) Mumbai | 12 Nos | Two Years | i) Bachelor of Audiology & Speech Language Pathology or any equivalent degree recognized by the respective University and RCI, New Delhi 55% aggregate for General/OBC 50% for SC/ST/PwDs | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | ii) Completed prescribed duration of compulsory rotating internship by 31st July of the academic year and registered at RCI, New Delhi. | |
| | M.Sc. (Audiology) RC, Secunderabad | 12 +1 (EWS) | | iii) Bachelor of Audiology & Speech Language Pathology or any equivalent degree recognized by the respective University and RCI, New Delhi, with 55% aggregate for General / OBC 50% for SC/ ST/PwDs. Completed prescribed duration of compulsory rotating internship.<br>The reservation and relaxation for SC/ST/OBC/PWD and other categories shall be as per the rules of the Central Govt./State Govt. whichever is applicable. | |
| 02. | Master of Science (Speech Language Pathology) RC, Kolkata | 15 | Two years | i) Bachelor of Audiology & Speech Language Pathology or any equivalent degree recognized by the respective University and RCI, New Delhi.<br>55% for General / OBC<br>50% for SC/ST/PwDs<br>ii) Completed prescribed duration of compulsory rotating internship and registered at RCI, New Delhi. | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |
| 03. | Bachelor of Audiology Speech Language Pathology | 40 (25 +15*) | Four years | **a) <u>For Mumbai center</u>**,<br>10+2 (HSC) passed with Physics, Chemistry & any one of the following : Biology/ Mathematics/ Computer Science/ Statistics/ Electronics/ Psychology.<br>50% Aggregate for General / OBC & 45% for SC/ST/PwDs | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |
| | | 31 | | **b) For Kolkata Center,**<br>(i) 10 + 2 with Physics, Chemistry,Biology/Mathematics/ Computer Science and English and any other fifth subject.<br>(ii) Must be 17 years of age as on 31st December of the previous year of admission.<br>50% aggregate for General / OBC & 45% for SC/ST/PwDs | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |
| | | 25 | | **c) For Noida Centre** – 10 + 2 with | Entrance |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | Physics, Chemistry & Biology/ Mathematics/Computer Science/ Statistics/Electronics/ Psychology.<br>50% aggregate for General / OBC & 45% for SC/ST/PwDs. | Exam by GGSIPU |
| | | 31 + 3 (EWS) | | **d) For Secunderabad Centre** – 10+2 (HSC) passed with Physics, Chemistry & any one of the following: Biology/Mathematics.<br>50% aggregate for General / OBC & 45% for SC/ST/PwDs.<br>The reservation and relaxation for SC/ST/OBC/PWD and other categories shall be as per the rules of the Central Govt./State Govt. whichever is applicable. | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |
| 04. | Diploma in Hearing & Speech<br>RC, Janla | 31 | One year | 10 +2 passed with PCB/PCM or its Equivalent from a recognized Board of Education 50% for General/OBC. 45% SC/ST/PwDs | Merit Based, decided by RCI |
| 05. | Master of Education in Special Education (Hearing Impairment)<br>Mumbai | 23 | Two years | B.Ed.(HI)/B.Ed.(Deaf)/B.Ed.(HH)/ B.Ed. Special Education (HI) regular/distance mode from UGC recognized University or any other degree equivalent recognized by the affiliating University and/or Teaching Department under any University recognized by UGC and RCI with minimum 50% aggregate marks<br>OR<br>B.Ed.(General Education) with 50% aggregate marks and has successfully completed Diploma in Special Education (Hearing Impairment) or equivalent recognized by the RCI with minimum 50% aggregate marks.<br>(For SC/ST/PWDs reservation as per University guidelines.) | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |
| 06. | Bachelor of Education in Special Education (Hearing Impairment)<br>Mumbai,<br>RC, Kolkata<br>RC, Secunderabad | 30<br>23<br>30 | Two years | Bachelor's Degree in any discipline or equivalent from any UGC recognized University with minimum 50% marks.<br>(For SC/ST/PwDs reservation as per University Guidelines)<br>**For Kolkata center**-Candidates with at least 50% either in Bachelor Degree and/or in the Master Degree | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | in Science/Social Science/Humanities, Bachelor's in Engineering or Technology with specialization in Science and Mathematics with 55% marks in any other qualification equivalent thereto, are eligible for admission to the programme.<br>The reservation and relaxation for SC/ST/OBC/PWD and other categories shall be as per the rules of the Central Govt./State Govt. whichever is applicable. | |
| 07. | Bachelor of Education Special Education (Hearing Impairment) RC, Janla | 30 | Two Years | Bachelor's Degree in any discipline or equivalent from any UGC recognized University with minimum 50% marks. (For SC/ST/PwDs reservation as per University Guidelines) | Entrance Exam by AYJNISHD(D) |
| 08 | Diploma in Indian Sign Language Interpreter<br>Mumbai<br>Janla<br>Ahmedabad<br>Kolkata | 30<br>30<br>20<br>30 | Two Years | a) Senior Secondary (10+2) or equivalent with minimum 50% marks.<br>b) Functional hands<br>c) Fluency in atleast one language<br>d) Bilateral Hearing sensitivity within normal range<br>The reservation and relaxation for SC/ST/OBC/PwDs and other categories shall be as per the rules of the Central Government. | Merit based, decided by RCI |
| 09. | Diploma in Teaching Indian Sign Language<br>Mumbai<br>Goa<br>Secunderabad<br>Janla<br>Kolkata | 30<br>20<br>20<br>30<br>20 | Two Years | A candidate should have:<br>Certificate of Disability (Deaf), Passed class 10+2 (SeniorSecondary) or equivalent with minbimum 45% marks, Proficient receptive and productive skills in ISL | Merit based, decided by RCI |
| 10. | Diploma in Education Special Education (Hearing Impairment) Kolkata, Noida, Secunderabad, Janla | 31<br>35 + 3 (EWS)<br>35 + 3 (EWS)<br>35 + 3 (EWS) | Two years | i) 10 + 2 passed or equivalent form a recognized Board of Education with minimum marks of:<br>50% for General/OBC &<br>45% for SC/ST/PwDs | Merit based, decided by RCI |
| 11. | Post Graduate Diploma in Auditory | 20 | One | a)Graduate degree in Audiology/ Speech-Language Pathology/ | Entrance |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | Verbal Therapy Mumbai | | | Speech and Hearing or Special Education (HI) or equivalent degree from any other University/ Institute. b) Registered with the RCI, New Delhi | Exam by AYJNISHD(D) |
| 12. | Bachelor of Audiology & Speech Language Pathology CRC, Ahmedabad | 20+2 (EWS) (16+ 04#) | Four Years | 10+2 (HSC) passed with Physics, Chemistry & any one of the following : Biology/ Mathematics/ Computer Science/ Statistics/ Electronics/ Psychology. 50% Aggregate for General / OBC & 45% for SC/ST/PwDs | GCAS Portal, Govt. of Gujarat |
| 13. | Bachelor of Education Special Education (IDD) CRC, Ahmedabad | 30+3 (EWS) | Two Years | Bachelor's Degree in any discipline or equivalent from any UGC recognized University with minimum 50% marks. (For SC/ST/PwDs reservation as per University Guidelines) Candidates with at least 50% either in Bachelor Degree and/or in the Master Degree in Science/Social Science/Humanities, Bachelor's in Engineering or Technology with specialization in Science and Mathematics with 55% marks in any other qualification equivalent thereto, are eligible for admission to the programme. The reservation and relaxation for SC/ST/OBC/PWD and other categories shall be as per the rules of the Central Govt./State Govt. whichever is applicable. | GCAS Portal, Govt. of Gujarat |
| 14. | Diploma in Education Special Education (IDD) CRC, Ahmedabad | 35+3 (EWS) | Two Years | 10+2 or equivalent with 50% of marks in any stream are eligible for the course. The reservation and relaxation for SC/ST/OBC/PwDs and other categories shall be as per the rules of the Central Government. | Merit based, decided by RCI |
| 15 | Ph.D. (Sp & Hg.) Mumbai | 06 | 3 years | M.Sc. (Audiology/Speech Language Pathology) OR MASLP & PET eligibility | MUHS |
| 16 | Ph.D. (Spl. Edu.) Mumbai | 20 | 3 years | M.Ed.(Spl. Education) & PET eligibility | University of Mumbai |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 17 | Ph.D. (ASLP) Kolkata | 06 | 3 years | M.Sc. (Audiology/Speech Language Pathology) OR MASLP & PET eligibility | WBUHS |

5. **How does the Institute ensure the quality, relevance, and accreditation of its educational programs and maintain faculty standards?**

The Institute is regularly assessed by affiliating Universities through its Local Inquiry Committee and Rehabilitation Council of India, New Delhi.

6. **Are there any continuing education or skill development programs for professionals and caregivers in the field of speech and hearing disabilities?**

YES, there are continuing rehabilitation education programme for professionals registered in central rehabilitation register of Rehabilitation Council of India. Skill Development programme are available for Persons with Disabilities.

## CLINICAL AND REHABILITATION SERVICES

7. **What types of clinical and rehabilitation services are offered at the main campus and regional centres, including diagnostics, therapy, and counselling?**

- Evaluation and diagnosis of hearing, speech and language disorders
- Issue of UDID cards
- Selection and fitting of hearing aids and ear molds
- Psychological evaluation
- Educational evaluation services
- Psychotherapy and behavior therapy
- Parent guidance and counseling
- Early Intervention and school readiness programmes
- Cross disability early intervention and school readiness programme
- Continual education through NIOS
- Outreach and extension services
- Parent Empowerment Programme
- Vocational Guidance, training & placement
- Speech & language therapy
- Cochlear Implant Support

- Toll free Disability Information Line
- Vestibular Assessment and Rehabilitation

8. **How does the Institute support the development, customization, and distribution of assistive devices (e.g., hearing aids, speech devices) for persons with hearing and speech impairments?**

   The Audiology Department conducts specialized audiological tests to determine the ear-specific hearing threshold of each client. These precise measurements enable audiologists to select and customize hearing aids using computer-based technology, ensuring an optimal fit and improved auditory experience. Additionally, custom ear moulds are provided to individuals with hearing disabilities, offering enhanced comfort and performance.
   Dept. of Speech Language Pathology provides assessment and customized intervention to persons with speech and language disorders.
   Dept. of Special Education offers education assessment and individualized educational plan for children with hearing disability. Also provides remedial teaching.

9. **How many beneficiaries were served by the Institute and its regional centres in the past year? Is there a system for post-therapy follow-up?**

   The institute and its RCs served 31653 new clients and 91879 follow up clients at its clinics and through outreach and extension services. The support services offered to the new and follow up clients were 463013. The post therapy follow-up is regularly conducted by offering various supportive services to the clients

## RESEARCH AND DEVELOPMENT

10. What are the Institute's current research focus areas, and how do they contribute to policy or practice in speech and hearing disability rehabilitation?

AYJNISHD(D) has been actively involved in research to advance the fields of Speech & Hearing and Education for Divyangjan. Ongoing projects include the adaptation of the Apraxia Battery for Adults in Hindi and Telugu, and the performance appraisal of speech, language, and hearing skills in children with cochlear implants under the ADIP Scheme. Completed projects include the development of a Communication Linguistic Assessment Protocol in Bangla for Right Hemisphere Disorders and the impact assessment tool for patients with cleft lip and palate using ICF. These projects aim to develop diagnostic tools, assess interventions, and enhance treatment strategies for individuals with speech and hearing impairments. The Institute has launched a new initiative, "Research Projects with Zero Budget," aimed at promoting research using the institute's available resources without any financial allocation. During 2024-25, the institute approved 7 research projects under this initiative.

11. **Are there any ongoing research collaborations or MoUs with national or international institutions, universities, or industry partners?**

Yes. The Institute has initiated collaboration with International Universities like Jonkoping University Sweden & Stephen F. Austin State University, USA for research collaborations and has signed MoUs with national Institutions and Industry partners

12. **Is there a dedicated R&D cell or innovation lab? What kind of funding or support is available for in-house research?**

No. currently, there is no dedicated R&D cell at the Institute. However, Audiology & Speech Science labs are utilized for R&D purposes.

## COMMUNITY OUTREACH AND AWARENESS

13. **What community-based programs, awareness campaigns, or outreach camps does AYJNISHD(D) regularly conduct, especially in rural or underserved areas?**

- AYJNISHD(D) regularly organizes diagnostic and hearing aid fitment camps across India, targeting individuals of all age groups with hearing impairments. These community-based programs are especially focused on rural and underserved areas to ensure equitable access to early identification, intervention, and rehabilitation services. The camps also include awareness campaigns aimed at educating the public about hearing health and the importance of early intervention**.** Follow up of camps is conducted along with guidance and counselling. New projects initiated this year includes Universal New born Hearing screenings at Municipal Hospital and School screening programs from Balwadi and pre-primary to secondary section students. The institute and its RCs held 58 camps under ADIP scheme during the year 2024-25 across the country.

14. **How does the Institute involve families, local organizations, and community stakeholders in planning and implementing outreach efforts?**

The Institute actively collaborates with families, non-governmental organizations (NGOs), government agencies, special schools for children with hearing impairments, and hospitals. These stakeholders are engaged in the planning and execution of outreach activities, helping to identify beneficiaries, facilitate logistics, and promote community awareness.

Families are also involved through counselling and support sessions during outreach camps, ensuring a holistic and inclusive approach to service delivery.

## STUDENT SUPPORT AND PLACEMENT

**15. What support services are provided to students, including career counselling, internships, and placement assistance?**

The institute offers internship facility to the inhouse students who completed their BASLP & B.Ed. Spl. Ed. (HI), M.Ed. Spl. Ed (HI) programmes. The Institute also offers placement support to the students.

**16. What is the placement rate for graduating students, and what are the typical employment sectors or roles? Please share details of average remuneration, if available.**

100% Placement for Graduates and Master students who completed their courses. The students are mainly employed in institutions, hospitals, schools, non-government organizations, self-employment etc.

**17. Are alumni of the Institute involved in mentoring, recruitment, or outreach initiatives?**

The Alumni of the Institute is actively involved in mentoring and supporting Post-operative Rehabilitation services to children with cochlear implants and recruitment.

## INFRASTRUCTURE AND FACILITIES

**18. What are the key facilities available on campus such as labs, audiology clinics, speech therapy units, libraries, hostels, and sports amenities?**

The Institute has all the above-mentioned facilities for students.

**19. Are there any recent or upcoming infrastructure upgrades, such as digital classrooms, smart labs, or accessible built environments?**

The classrooms have been digitalized and the Institute is accessible for Divyangjan. Recently added vestibular assessment and rehabilitation unit.

**20. What IT-enabled services or e-learning platforms are available for students and clients with communication disabilities?**

The Institute has the required facility for teletherapy as a part of offering rehabilitation services to individuals with communication disabilities. The Institute subscribes to 18 multi-site online e-journals for both HQ and regional centers, along with 155 open-access journals, reducing the need for physical storage space and lowering costs. Internet access is provided to staff and students, enabling them to access the Digital Library of AYJNISHD(D) and e-resources (N-LIST) offered by the library. The institute is also registered on one nation one subscription.